{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 16 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 170
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राज्यसभा की 11 सीटों के लिए मतदान आज

सियासी घेराबंदी तेज, बिहार-ओडिशा और हरियाणा में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स

नई दिल्ली। एजेंसी।

राज्यसभा की 11 सीटों के लिए सोमवार को होने वाले मतदान से ठीक पहले बिहार, हरियाणा और ओडिशा में सियासी हलचल तेज हो गई है। संभावित क्रॉस-वोटिंग और विधायकों की टूट-फूट को रोकने के लिए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने विधायकों की घेराबंदी शुरू कर दी है। कई जगहों पर विधायकों को रिसॉर्ट में ठहराया गया है तो कहीं उन्हें रोजाना पार्टी नेतृत्व के सामने उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। देशभर में इस बार राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इनमें से 26 सीटों पर उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए हैं। अब बिहार की पांच, ओडिशा की चार और हरियाणा की दो सीटों पर मतदान होना है। नतीजे भी सोमवार को ही घोषित किए जाएंगे। कुछ जगहों पर मुकाबला कड़ा है और क्रॉस-वोटिंग या निर्दलीय उम्मीदवार परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

ओडिशा में चौथी सीट पर दिलचस्प मुकाबला

ओडिशा में चार सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। विधानसभा में बीजेपी के 79 विधायक हैं और पार्टी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा सांसद सुजीत कुमार को मैदान में उतारा है। बीजद ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी संत्रुस मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। चौथी सीट को लेकर मुकाबला सबसे दिलचस्प माना जा रहा है। इस सीट के लिए बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे को समर्थन दिया है, जबकि बीजेडी ने कांग्रेस के साथ मिलकर प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट डॉ। दत्तेश्वर होता को समर्थन देने का फैसला किया है।

बिहार में पांचवीं सीट पर नजर

बिहार में पांच सीटों के लिए चुनाव हो रहा है, जहां संख्याबल के आधार पर एनडीए चार सीटें आसानी से जीत सकता है। एनडीए के पास विधानसभा में कुल 202 विधायक हैं, जबकि एक उम्मीदवार को जीत के लिए 41 वोट की जरूरत है। एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए नामांकन किया है, जिससे राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है। इसके अलावा भाजपा के नितिन नवीन, जदयू के रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा को भी उम्मीदवार बनाया गया है।

हरियाणा में भी मुकाबला रोचक

हरियाणा में दो सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। बीजेपी के पास 48 विधायक हैं और पार्टी के उम्मीदवार संजय भाटिया की जीत लगभग तय मानी जा रही है। वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार करमवीर सिंह बौद्ध को भी पार्टी और सहयोगियों के समर्थन से पर्याप्त वोट मिलने की उम्मीद है। हालांकि इस बार निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नंदल के मैदान में आने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। नंदल को बीजेपी के करीबी के तौर पर देखा जाता है और पिछले चुनावों में कांग्रेस को क्रॉस-वोटिंग का नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे इस बार भी राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बनी हुई है। इस वजह से कांग्रेस के कुछ विधायकों को हिमाचल प्रदेश भेजा गया है जहां कांग्रेस की सरकार है।

राज्यसभा चुनाव से एक दिन पहले कांग्रेस का आरोप

विधायकों को ब्लैंक चेक देकर क्रॉस वोटिंग की कोशिश

बेंगलुरू। 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव होने हैं, इससे पहले ओडिशा कांग्रेस के एक नेता ने पार्टी के विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने बेंगलुरु के बिदादी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने चार लोगों पर पार्टी के नेताओं को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया है। ओडिशा कांग्रेस विधायक दल के उपनेता अशोक कुमार दास ने अपनी शिकायत में कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के अतिरिक्त उम्मीदवार उतारने के बाद, कांग्रेस को अपने विधायकों की खरीद-फरोख्त का डर था। इसीलिए कांग्रेस के आठ विधायक 12 मार्च से बेंगलुरु के वंडरला के पास एक होटल में रुके हुए हैं।

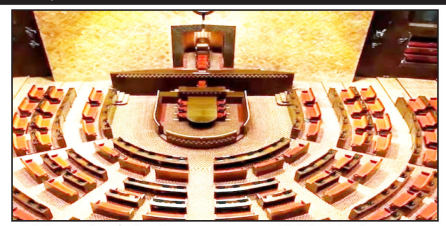

कांग्रेस नेता का आरोप है कि 15 मार्च को चार अनजान लोग होटल पहुंचे। ये लोग अपने साथ एक ब्लैंक चेक लेकर आए थे। दास ने दावा किया कि इन लोगों ने विधायकों को करोड़ों रुपये का लालच दिया ताकि वो राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग करें।

विधायकों के साथ गाली-गलौच और धमकी

अशोक कुमार दास ने अपनी शिकायत में कहा कि जब विधायकों ने रिश्वत के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया, तो आरोपियों ने धमकाने शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन लोगों ने विधायकों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। दास ने कहा कि जब हमारे विधायकों ने उनके प्रस्ताव को खारिज कर दिया, तो उन व्यक्तियों ने कथित तौर पर हमें जान से मारने की धमकी दी, अगर हम ओडिशा वापस लौटे। उन्होंने हमारे खिलाफ अपमानजनक और गंदी भाषा का भी इस्तेमाल किया।

आरोपियों की पहचान भी बताई

कांग्रेस ने पुलिस को दी गई शिकायत में चार व्यक्तियों की पहचान भी बताई है। उनके नाम बीरेंद्र प्रसाद, सुरेश, अजीत कुमार साहू और सिमाचल मोहकुड बताए गए हैं। बेंगलुरु पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की कानूनी जांच शुरू कर दी है।

खास खबर

पुराने नोट स्वीकार नहीं करने पर बैंक पर 3.19 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने नोटबंदी के दौरान पुराने नोट जमा करने से इनकार करने वाले एक्सिस बैंक पर, 3.19 करोड रुपए का जुर्माना लगाया है। आयोग ने एक्सिस बैंक को सेवा में कमी का दोषी पाते हुए, यह जुर्माना लगाया है। दिल्ली की लॉजिस्टिक्स कंपनी प्रोक्योर लॉजिस्टिक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को 30 दिसंबर 2016 से 6 प्रतिशत साधारण ब्याज की दर पर 3.।19 करोड रुपए ब्याज सहित देने के आदेश दिए हैं। बैंक द्वारा 2 माह के अंदर याचिका करता को भुगतान नहीं किया जाएगा, ऐसी स्थिति पर 9 फ़ीसदी ब्याज के साथ भुगतान करने के आदेश दिए गए हैं। 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी के बाद सरकार ने सीमित अवधि के लिए पुराने नोट बैंक खातों में जमा करने की अनुमति दी थी। इस निर्देश का पालन के एक्सिस बैंक द्वारा नहीं किया गया था। जिसके कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

पुंछ। कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। यह कार्रवाई तब हुई जब भारतीय सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा के पास कुछ हलचल देखी। इसके बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन चलाया। 14-15 मार्च की रात बुछार इलाके में घुसपैठ कर रहे आतंकी ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें आतंकी मारा गया। सेना ने आतंकी के पास से हथियार बरामद किए हैं, जिसमें एक एके राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद शामिल हैं। ऑपरेशन फिलहाल जारी है। वहीं, शनिवार को पुंछ में जारी ऑपरेशन शेरीकलां के तहत एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर शहीद हो गया। जवान का नाम सूबेदार संदीप कुमार ढाका है।

भारत का पहला साउंडिंग रॉकेट लॉन्च

अहमदाबाद। गुजरात राज्य के अहमदाबाद से 100 किलोमीटर दूर पर स्थित, धोलेरा अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र से मेक इन इंडिया मॉडल का तैयार पहला रॉकेट लॉन्च किया गया है। अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में इसे एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। भारत में पहली बार इस रॉकेट का एयरफ्रेम अहमदाबाद स्थित ओमस्पेस की प्रयोगशाला में, कार्बन फाइबर एवं अन्य मिश्रित सामग्री से तैयार किया गया है।यह पूरी तरह से तैयार भारतीय रॉकेट है। साउंडिंग रॉकेट का उपयोग वैज्ञानिक अनुसंधान, मौसम विज्ञान और नई अंतरिक्ष तकनीकी का परीक्षण करने के लिए तैयार किया गया है। यह रॉकेट पृथ्वी की सतह से 50 से 1500 किलोमीटर तक की समस्त जानकारी एकत्रित करके स्पेस सेंटर को देगा। इस रॉकेट में तेज गति से डाटा एकत्र करने के लिए तैयार किया गया है।

आप ने असम चुनाव के लिए जारी की पहली लिस्ट, 14 उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के लिए सभी सियासी पार्टियां जोर शोर से तैयारियां करने में जुटी हुई हैं। इसी श्रंखला में रविवार 15 मार्च को आम आदमी पार्टी ने 14 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। यह घोषणा चुनाव आयोग के द्वारा की गई तारीखों के ऐलान से पहले की गई।

चुनाव तारीखों के ऐलान के साथ ही पार्टियों द्वारा अपने-अपने प्रत्याशियों का ऐलान भी किया जा रहा है। पहले कांग्रेस ने तो उसके बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी उम्मीदवार लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में आप ने 14 प्रत्याशियों के नाम शामिल किए हैं। इस लिस्ट के अनुसार नाओबोइचा विधानसभा से अच्युत दास और डेरगांव से पुलिन गोगोई को आप ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। इसी प्रकार गोहपुर से जरबोम कुटुम और सेंट्रल गुवाहाटी से अनुरूपा डेकराजा को और खुमटाई विधानसभा से पार्टी ने आशीष हजारिका के नाम का ऐलान किया है। इन नामों के अलावा सिबसागर से तपन गोगोई और रोंगापाड़ी से टिकेंद्र थापा को आप ने चुनावी मैदान में उतारने की घोषणा कर दी है।

निलंबन के बाद आईएएस अभिषेक प्रकाश की बहाली, बने सचिव सामान्य प्रशासन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग एक वर्ष तक निलंबित रहने के बाद 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को बहाल कर दिया है। बहाली के साथ ही उन्हें राज्य सरकार में सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर तैनात किया गया है।

नियुक्ति विभाग की ओर से शनिवार को बहाली का आदेश जारी किया गया था, जबकि रविवार को उनकी नई तैनाती की घोषणा कर दी गई। आदेश के अनुसार 15 मार्च 2026 से उनकी सेवा बहाल मानी जाएगी और संभावना है कि वह सोमवार से अपना कार्यभार संभाल लेंगे। आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश पहले राज्य सरकार के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 'इन्वेस्ट यूपी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भी रह चुके हैं। उन पर एक सोलर कंपनी से परियोजना मंजूरी के बदले रिश्वत मांगने का आरोप लगा था, जिसके बाद 20 मार्च 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया गया था। उस समय मामला काफी चर्चाओं में रहा था और प्रशासनिक स्तर पर इसकी जांच शुरू की गई थी। हालांकि बाद में मामले में ठोस साक्ष्य नहीं मिलने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने फरवरी 2026 में उनके खिलाफ दाखिल चार्जशीट को रद्द कर दिया। इसके बाद राज्य सरकार ने उनकी बहाली का निर्णय लिया।

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते हुए पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर समाजिक न्याय आंदोलन के नेता कांशीराम को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की मांग की है। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बहुजन समाज तथा गरीब वर्गों में राजनीतिक चेतना जगाई।

राहुल गांधी ने कहा, कि कांशीराम जी ने अपना जीवन समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के लिए संविधान में निहित समानता, गरिमा और भागीदारी को साकार करने में समर्पित किया। उनके योगदान के कारण कई लोग, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता का माध्यम मानना शुरू किया। कांग्रेस के अनुसार, कांशीराम ने भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत की और राजनीतिक व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनाया। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करते रहे हैं, और यह कदम उनकी स्मृति और योगदान का सम्मान होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यूपी में यह कदम मायावती को 'सॉफ्ट सिग्नल' देने जैसा भी है, जिससे भविष्य में राजनीतिक बातचीत या गठबंधन की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। वहीं, समाजवादी पार्टी के लिए यह चुनौती है क्योंकि यह कदम दलित वोटों को कांग्रेस की ओर आकर्षित कर सकता है, जिससे सपा को सीधे नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी का यह कदम यूपी की सियासी रणनीति से भी जुड़ा हुआ है। कांशीराम के नाम का सहारा लेकर कांग्रेस दलित वोटरों के बीच अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है, जो पहले बसपा और सपा के पाले में रहे हैं। यह मायावती के वोट बैंक पर संभावित सेंध और सपा-कांग्रेस गठबंधन में सियासी संतुलन को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर, राहुल गांधी का पत्र केवल सम्मान की मांग नहीं, बल्कि यूपी और राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की रणनीति का प्रतीक भी माना जा रहा है।

सरकार के सख्त दिशा-निर्देश जारी

डिब्बों या खुले बर्तनों में पेट्रोल-डीजल जमा करना पड़ेगा भारी!

नई दिल्ली। देश में ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर चल रही विभिन्न अटकलों के बीच प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर नागरिकों से पैनिक न करने की अपील की है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि देश भर के पेट्रोल पंपों और खुदरा विक्रेताओं के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, इसलिए घबराने या अनावश्यक भंडारण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि डिब्बे या खुले वर्तनों में डीजल पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आपूर्ति की स्थिरता के साथ-साथ, सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पेट्रोलियम विभाग ने ईंधन की खरीद और भंडारण के संबंध में नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अधिकारियों ने नागरिकों को सख्त हिदायत दी है कि वे खुले बर्तनों, कांच की बोतलों या अनुपयुक्त प्लास्टिक के डिब्बों में ईंधन कतई न लें। प्रशासन के अनुसार, असुरक्षित तरीके से ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण करना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि यह भीषण अग्नि दुर्घटनाओं और जन-धन की हानि का कारण बन सकता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता केवल अपनी जरूरत के अनुसार वाहनों के टैंक में ही ईंधन भरवाएं और घरों में इसका संचय न करें। नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल पंप संचालकों को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। देशभर के डीलरों से कहा गया है कि वे ईंधन वितरण के दौरान सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करें। यदि कोई पंप संचालक मानकों का उल्लंघन कर असुरक्षित कंटेनरों में पेट्रोल या डीजल भरते हुए पाया जाता है, तो प्रशासन द्वारा उसका लाइसेंस रद्द करने जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों को इन नियमों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने अंत में स्पष्ट किया कि रिफाइनरियों से लेकर रिटेल आउटलेट्स तक की पूरी सप्लाई चेन सुचारू रूप से कार्य कर रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईंधन की उपलब्धता बनी रहे और सुरक्षा संबंधी किसी भी जोखिम को शून्य किया जा सके।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

मतदान 9, 23 और 29 अप्रैल को

नई दिल्ली। एजेंसी।

भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि असम, केरला, पुडुचेरी, तमिलनाडु और वेस्ट बंगाल में विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई 2026 को की जाएगी।

चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे, पहला चरण 23 अप्रैल को जबकि दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। सभी राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि इन पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। चुनाव के लिए लगभग 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं और करीब 25 लाख ईवीएम मशीनों के जरिए कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए निर्वाचन आयोग ने हाल ही में सभी चुनावी राज्यों का दौरा किया था। इस दौरान आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों से मुलाकात कर सुझाव लिए। इसके अलावा संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ भी बैठकें आयोजित की गईं।

फेक और गलत सूचना रोकने विशेष इंतेजाम

चुनाव आयोग ने इस बार सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और गलत सूचना को रोकने के लिए भी विशेष दिशानिर्देश जारी किए हैं। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

आदर्श आचार संहिता लागू

चुनाव की घोषणा के साथ ही इन राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके तहत सरकारें नई योजनाओं की घोषणा या बड़े विकास कार्यों की शुरुआत नहीं कर सकेंगी। राजनीतिक दृष्टि से यह चुनाव काफी अहम माने जा रहे हैं। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है, तमिलनाडु में द्रविण मुनेत्रकणहम, केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट, असम में भारतीय जनता पार्टी और पुडुचेरी में आल इंडिया एनआर कॉंग्रेस-भाजपा गठबंधन सत्ता में है।

चुनाव आयोग बीजेपी मुख्यालय में अपनी प्रेस वार्ता करे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा

5 राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों की ऐलान से पहले राउत ने कसा तंज

मुंबई। भारतीय निर्वाचन आयोग रविवार शाम को 5 राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों की ऐलान करता इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता शायद बीजेपी ऑफिस में हो सकती है। उन्होंने कहा है कि आज का जो चुनाव आयोग है वह बीजेपी की विस्तारित शाखा है। यदि चुनाव आयोग बीजेपी के दिल्ली मुख्यालय में अपनी प्रेस वार्ता करे तो भी हमें आश्चर्य नहीं होगा। इस चुनाव आयोग पर हमें विश्वास नहीं है। ये बीजेपी के लिए काम करने वाले लोग हैं। पूरा चुनाव आयोग बीजेपी के दबाव में काम करता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होना हैं। निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए शाम को संवाददाता सम्मेलन बुलाया है। इन विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। मतदाताओं की सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की अंतिम मतदाता सूचियां प्रकाशित कर दी गई हैं, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें असम और पुडुचेरी भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में पिछली बार आठ चरणों में विधानसभा चुनाव हुए। 2 मार्च 2021 को चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद पहले चरण में 27 मार्च, दूसरे में एक अप्रैल, तीसरे में 6 अप्रैल, चौथे चरण में 10 अप्रैल, 5वें चरण में 17 अप्रैल, छठे चरण में 22 अप्रैल, 7वें चरण में 26 अप्रैल और 8वें चरण में 29 अप्रैल को मतदान हुआ था। 2 मई को विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई थी, जिसमें टीएमसी फिर से विजयी रही। बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए पिछली बार 12 मार्च 2021 को चुनाव की अधिसूचना जारी की गई। राज्य में एक ही चरण में 6 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। इसी दिन 140 सदस्यीय केरल विधानसभा और 30 सदस्यीय पुडुचेरी विधानसभा के लिए मतदान हुआ। 2021 में असम में तीन चरणों में चुनाव संपन्न कराए गए।

कुछ ना कहना

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार

700 रुपये दिहाड़ी पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं।

गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी ली। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसार देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना।

लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़ते हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना

जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में ब्रम्हपुरी रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए। ऐसे हालात में कई डिलीवरी बॉय अपने घर या छुट्टी के कारण काम पर नहीं आए, जिससे डिलीवरी और भी पेंडिंग में चली गई।

लोगों की परेशानी सिर्फ समय की ही नहीं, बल्कि दाम की भी है। पुराने रेट पर बुक किए गए सिलेंडर के लिए अतिरिक्त पैसे चुकाने पड़े। एक उपभोक्ता ने बताया कि उन्होंने 853 रुपये में सिलेंडर बुक किया था, लेकिन पुराने स्टॉक खत्म होने के बाद 60रुपये अतिरिक्त देना पड़ा। इस संकट के समय में कुछ लोग ऐसे भी नजर आए, जिन्होंने लोगों को समझाने और संयम रखने का काम किया हुआ है। ये कहते देखे गए कि घबराने की जरूरत नहीं है, थोड़ा संयम रखिए सिलेंडर समय पर घर पहुंचेगा। अफरा-तफरी और भीड़ के दबाव में लोग अब सब्र से काम लेना ठीक नहीं समझ रहे हैं।

तेलंगाना पुलिस का रंगा रेड्डी जिले के एक फार्महाउस पर छापा

ड्रग्स लेते पकड़े गए सांसद और पूर्व विधायक

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने रंगा रेड्डी जिले के एक फार्महाउस छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि पुलिस एक सूचना के आधार पर रात करीब रात करीब 9:30 बजे फार्महाउस पर पहुंची थी। आरोप है कि तभी वहां मौजूद दिल्ली के रियल एस्टेट कारोबारी नमित शर्मा ने बंदूर से एक राउंड गोली चला दी। हालांकि पुलिस ने बाद में सख्ती दिखाते हुए आरोपियों को पकड़ लिया।

पुलिस जांच में पता चला कि यह लाइसेंसी बंदूक रितेश रेड्डी की है। रितेश रेड्डी पूर्व विधायक रोहित रेड्डी के छोटे भाई हैं। पुलिस ने मौके से दो ग्राम सफेद पाउडर भी बरामद किया। शक है कि यह नशीला पदार्थ (ड्रग्स) है। पार्टी में कुल 11 लोग मौजूद थे, जिनमें 10 पुरुष और 1 महिला शामिल है। इनमें पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी और टीडीपी के एलुरु सांसद पुट्टा महेश कुमार जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनके अलावा रितेश रेड्डी, नमित मिश्रा, एम रमेश, श्रवण कुमार, विजय कृष्ण, रवि और अर्जुन रेड्डी भी वहां मौजूद थे। वहीं पकड़ी गई महिला की पहचान शरीफ रेड्डी पत्नी श्रीधर रेड्डी के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि वहा मिले सभी लोगों का ड्रग टेस्ट किया। इसमें 5 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें रोहित रेड्डी, नमित मिश्रा, रितेश रेड्डी, कौशिक रवि और अर्जुन रेड्डी के नाम शामिल हैं। चेवेल्ला डीसीपी योगेश गौतम ने बताया कि सभी के सैंपल और भी जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद पुलिस कानून के हिसाब से सख्त कार्रवाई करेगी। इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव ने कहा कि सरकार नशीले पदार्थों के इस्तेमाल के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है।

फिर भी, मोइनाबाद में पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी के फार्महाउस पर हुई एक पार्टी में नशीले पदार्थ पाए गए। ये सब कब तक चलता रहेगा? इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी में शामिल लोगों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह वीकेंड पार्टी मुख्य रूप से आपसी मेल-जोल बढ़ाने के मकसद से रखी थी; इस कार्यक्रम का आयोजन पायलट रोहित रेड्डी ने किया था। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जीएसटी ने तेल उपकरण बनाने वाली फर्म पर मारा छापा, पकड़ी 3.4 करोड़ की चोरी

देहरादून। उत्तराखंड के औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई में राज्य कर (स्टेट जीएसटी) विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तेल उत्खनन (आयल रिग) के उपकरण बनाने वाली एक प्रमुख फर्म और उसकी सहयोगी इकाइयों पर छापा मारा है। विभाग की इस औचक जांच में करोड़ों रुपये की कर चोरी का खुलासा हुआ है, जिसके बाद संबंधित फर्मों ने मौके पर ही 3.4 करोड़ रुपये का टैक्स जमा कराया है। आयुक्त राज्य कर सोनिका के निर्देशन में गठित सात टीमों ने एक साथ फर्म के परिसरों पर दबिश दी। जांच के दौरान यह पाया गया कि उक्त फर्म लंबे समय से सुनियोजित तरीके से कर देयता कम करने के खेल में लिप्त थी।

विभाग के अनुसार, फर्म फर्जी खरीद और बिक्री के बिलों के माध्यम से इनपुट टैक्स क्रेडिट का अवैध लाभ उठा रही थी। हैरानी की बात यह है कि फर्म ने अपनी ही सहयोगी कंपनियों के साथ मिलकर कागजों पर फर्जी लेन-देन दिखाया, ताकि विभाग को यह दर्शाया जा सके कि उसने खरीद पर टैक्स अदा किया है और उसे आईटीसी के रूप में वापस प्राप्त किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ ऐसी फर्मों के साथ माल का परिवहन दिखाया गया जिनका वास्तव में कोई अस्तित्व ही नहीं है। यानी बिना माल भेजे केवल बोगस बिलों के जरिए कर चोरी को अंजाम दिया जा रहा था। संयुक्त आयुक्त अजय सिंह और उपायुक्त सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में अधिकारियों ने बड़ी संख्या में व्यापारिक दस्तावेज, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डाटा को अपने कब्जे में लिया है। विभाग के पास पुख्ता सबूत होने के कारण, फर्म ने तुरंत अपनी गलती स्वीकार करते हुए 3.4 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है। जब किए गए दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड के गहन परीक्षण के बाद कर चोरी की यह राशि काफी अधिक बढ़ सकती है। इस कार्रवाई में शामिल टीम अब फर्म के पिछले कुछ वर्षों के रिकॉर्ड खंगाल रही है ताकि नेटवर्क में शामिल अन्य फर्जी इकाइयों का भी पर्दाफाश किया जा सके।

चलती हाईवे पर इफ्तार कर विवादों में घिरीं मशहूर व्लॉगर सबा इब्राहिम

नई दिल्ली। टीवी अभिनेता शोएब इब्राहिम की बहन और मशहूर व्लॉगर सबा इब्राहिम एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई उपलब्धि नहीं बल्कि एक खतरनाक लापरवाही है। अपनी पर्सनल लाइफ और फैमिली व्लॉग्स के लिए जानी जाने वाली सबा हाल ही में मुंबई से अपने पति खालिद निशाज के गांव मौदहा जा रही थीं। इसी सफर के दौरान उन्होंने

अपनी गाड़ी बीच रास्ते में एक व्यस्त हाईवे के किनारे रोक दी। हैरान करने वाली बात यह थी कि सबा, उनके पति और परिवार के अन्य सदस्य चलते हाईवे की सड़क पर ही चादर बिछाकर बैठ गए और इफ्तार करने लगे। वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि जिस जगह वे बैठे थे, वहां से तेज रफ्तार गाड़ियां बेहद करीब से गुजर रही थीं।

जैसे ही यह व्लॉग सोशल मीडिया पर सामने आया, लोगों ने सबा और उनके पति खालिद की जमकर क्लास लगानी शुरू कर दी। नेटिजन्स का कहना है कि यह न केवल खतरनाक है, बल्कि यातायात नियमों का भी खुला उल्लंघन है। लोगों ने इस बात पर चिंता जताई कि उनके साथ परिवार में छोटे बच्चे भी मौजूद थे, ऐसे में हाईवे जैसी संवेदनशील जगह पर इस तरह बैठना किसी बड़े हादसे को दावत देने जैसा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई लोगों ने टिप्पणी करते हुए पूछा कि अगर सड़क पर कोई अनियंत्रित वाहन उनके करीब आ जाता, तो इस जानलेवा लापरवाही का जिम्मेदार कौन होता? कुछ यूजर्स ने तो उत्तर प्रदेश पुलिस को टैग करते हुए इस मामले में कार्रवाई की मांग तक कर दी है। लोगों का मानना है कि एक प्रभावशाली व्लॉगर होने के नाते सबा की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने लाखों फॉलोअर्स को सुरक्षा और नियमों के प्रति जागरूक करें, न कि इस तरह के जोखिम भरे कृत्यों को बढ़ावा दें। फिलहाल, सुरक्षा नियमों की अनदेखी को लेकर सबा इब्राहिम और उनका परिवार कड़े विरोध का सामना कर रहा है।

शाह ने गुवाहाटी में स्वास्थ्य क्षेत्र को दीं बड़ी सौगातें, शिलान्यास के साथ ही कई परियोजनाएं उद्घाटित

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में की जा रही पहल की सराहना करते हुए कहा कि असम तेजी से बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि करीब दस वर्ष पहले असम की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद जर्जर स्थिति में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस सरकारों ने आम लोगों के स्वास्थ्य की पर्याप्त चिंता नहीं की। शाह ने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से अब स्थिति तेजी से बदल रही है और राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने लगन और दूरदर्शिता के साथ काम करते हुए असम की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे विकसित राज्यों के समकक्ष लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि राज्य में अत्याधुनिक प्रोटोन थेरेपी तकनीक स्थापित करने की तैयारी की जा रही है, जिसकी लागत लगभग 400 करोड़ रुपये होगी। यह तकनीक आम तौर पर बहुत महंगी होती है और अभी देश के किसी भी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। इसके लागू होने के बाद असम देश का पहला ऐसा राज्य बन जाएगा, जहां सरकारी कैंसर अस्पताल में प्रोटोन थेरेपी की सुविधा मिलेगी।

शाह ने कहा कि गुवाहाटी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बने प्राज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। इसके अलावा गोलाघाट और तीनसुखिया में कैंसर केंद्रों की स्थापना की जा रही है। साथ ही दीफू, बरपेटा और जोरहाट में नए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों तथा अभयापुरी जिला अस्पताल के शिलान्यास का कार्य भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक ही दिन में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी इतनी बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत असम को चिकित्सा सुविधाओं के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी मरीज इलाज के लिए बाहर न जाए और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों तथा पश्चिम बंगाल के गरीब मरीज भी असम आकर बेहतर इलाज प्राप्त कर सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में असम पूर्वोत्तर भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

हरदोई में होली मिलन समारोह मंच से बीजेपी में चल रही खींचतान खत्म करने का संदेश

नरेश अग्रवाल ने की सांसद जयप्रकाश रावत से मतभेद खत्म करने की अपील

हरदोई। बीजेपी राजनीति में लंबे समय से खींचतान के बीच होली मिलन समारोह का मंच सियासी सुलह का संदेश देता नजर आया। वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से मौजूदा सांसद जयप्रकाश रावत से मतभेद खत्म करने की अपील की। वहीं प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने भी संवाद और आपसी सम्मान के जरिए विवाद सुलझाने की बात कहकर राजनीतिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हरदोई की सियासत में पिछले कुछ समय से चर्चा में रहे मतभेदों के बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने सार्वजनिक मंच से सुलह का संदेश देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। श्रीशचंद्र बरात घर में शनिवार को आयोजित होली मिलन समारोह में उन्होंने मौजूदा सांसद जयप्रकाश रावत से मतभेद खत्म करने की खुलकर अपील की। उन्होंने कहा कि राजनीति का यह फार्मूला सही नहीं हो सकता कि जो नरेश का विरोधी, वही हमारा अपना है मंच से उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों की ओर इशारा करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत सिंह उर्फ बब्बन सिंह से भी कहा कि उनका संदेश संबंधित लोगों तक पहुंचा दिया जाए।

नरेश अग्रवाल ने यह भी कहा कि जब परिवार एक रहता है तो उसकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। नितिन अग्रवाल ने भी इस मुद्दे पर बेबाक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सांसद जयप्रकाश रावत उम्र और अनुभव दोनों में उनसे बड़े हैं, इसलिए अगर उनकी किसी बात से सांसद को ठेस पहुंची होती तो उन्हें सीधे बता देना चाहिए था। मंत्री ने साफ कहा कि अगर उनसे कोई गलती हुई होती तो अपने बड़ों से माफी मांगने में उन्हें संकोच नहीं होता। उनका कहना था कि हर विवाद का हल बातचीत से ही निकलता है, दूरी बनाने से नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक नितिन अग्रवाल ने यह भी कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने उनके कार्यकर्ताओं और हरदोई की जनता ने पूरी निष्ठा और मेहनत से सांसद का साथ दिया और उन्हें संसद तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके मुताबिक उनकी ओर से कभी कोई गतिरोध नहीं था। मंत्री ने दोहराया कि होली के मंच से उन्होंने अपील की है कि हरदोई के विकास और जनता के हित के लिए सभी नेताओं को मतभेद भुलाकर एक साथ आगे बढ़ना चाहिए।

मुहिम- होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हैं भारत के 22 जहाज, 4 में क्रूड ऑयल तो 6 में भरी है एलपीजी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की विभीषिका के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडराने लगा है। रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास भारत आने वाले 22 जहाज वर्तमान में फंसे हुए हैं। इन जहाजों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने उच्च स्तरीय कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। फंसे हुए इन जहाजों में 6 जहाज लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस, 4 कच्चे तेल के टैंकर और एक लिक्विफाइड नेचुरल गैस से लदा जहाज शामिल है। इतनी बड़ी मात्रा में ईंधन की आपूर्ति रुकने से घरेलू बाजार पर पड़ने वाले असर को देखते हुए विदेश मंत्रालय और शिपिंग मंत्रालय निरंतर निगरानी कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत इस समय खाड़ी सहयोग परिषद के देशों के साथ-साथ ईरान, अमेरिका और इजरायल जैसे प्रमुख पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता अपनी ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री मार्गों की निर्बाध आवाजाही को बनाए रखना है। दरअसल, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान की सुगबुगाहट के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अधिकांश व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए यह मार्ग जीवन रेखा के समान है, क्योंकि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में गैस आपूर्ति इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरती है।

हालांकि, भारत की सक्रिय कूटनीति के कुछ सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं। हालिया शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, भारतीय ध्वज वाले दो विशाल गैस कैरियर शिवालिक और नंदा देवी होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर ओमान की खाड़ी में पहुंच चुके हैं। इन दोनों जहाजों में कुल मिलाकर 92 हजार टन से अधिक एलपीजी लदी हुई है, जो अगले कुछ दिनों में गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है। ईरान के राजदूत ने भी संकेत दिए हैं कि तेहरान ने विशेष संबंधों को देखते हुए कुछ भारतीय जहाजों को मार्ग देने की अनुमति प्रदान की है, जिससे आंशिक राहत मिली है। वर्तमान में भारत ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें हाल ही में ईरान को भी शामिल किया गया है। भारत इस मंच का उपयोग कर पश्चिम एशिया संकट पर बहुपक्षीय सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि क्षेत्रीय तनाव को कम किया जा सके। शिपिंग मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि बाकी बचे 22 जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन विभिन्न देशों के साथ चल रही बातों से उम्मीद जगी है कि जल्द ही आपूर्ति श्रृंखला बहाल हो जाएगी।

युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में 12वीं की परीक्षाएं रद्द, सीबीएसई का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसी स्थिति का असर अब शिक्षा क्षेत्र पर भी पड़ने लगा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) ने रविवार को आपात निर्णय लेते हुए पश्चिम एशिया के कई देशों में कक्षा 12वीं की शेष बोर्ड परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। यह फैसला उन छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जो मौजूदा हालात में परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचने में कठिनाई महसूस कर रहे थे।

बोर्ड के अनुसार इस निर्णय का असर बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरबिया और यूएई में स्थित सीबीएसई से मान्यता प्राप्त 150 से अधिक स्कूलों के छात्रों पर पड़ेगा। इन देशों में 16 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच होने वाली 12वीं की शेष परीक्षाएं अब आयोजित नहीं की जाएंगी।

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक एस भारद्वाज ने बताया कि यह निर्णय प्रभावित देशों के स्कूलों और स्थानीय अधिकारियों से मिली जानकारी तथा सुरक्षा हालात की समीक्षा के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि जो परीक्षाएं पहले टाल दी गई थीं, उन्हें भी अब रद्द माना जाएगा। प्रभावित छात्रों के परिणाम किस आधार पर घोषित किए जाएंगे, इसकी जानकारी बोर्ड बाद में जारी करेगा। बोर्ड ने यह भी बताया कि खाड़ी देशों में भारत के राजदूतों और दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास को इस फैसले की सूचना दे दी गई है, ताकि छात्रों और स्कूलों के साथ आवश्यक समन्वय किया जा सके।

यहां बताते चलें कि इस वर्ष सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू हुई थीं। पश्चिम एशिया में 1 मार्च को हालात बिगड़ने से पहले भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगोल और लेखाशास्त्र जैसे कई विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी थीं। इससे पहले बोर्ड ने 5 मार्च को इसी क्षेत्र में कक्षा 10वीं की बाकी परीक्षाएं भी रद्द कर दी थीं। आंकड़ों के अनुसार इस साल सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 43.7 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था। इनमें करीब 25.1 लाख छात्र 10वीं और लगभग 18.6 लाख छात्र 12वीं कक्षा के थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत उकवा

विकासखण्ड-परसवाड़ा, तह. परसवाड़ा, जिला-बालाघाट

बाजार नीलामी आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 के लिए साप्ताहिक बैठकी बाजार एवं दैनिक गुजरी सोमवार की आम नीलामी दिनांक 01-04-2026 से 31-03-2027 तक के लिए दिनांक 18-03-2026 दिन बुधवार को दोपहर 12.00 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत उकवा में की जायेगी।

इच्छुक ठेकेदार निश्चित दिनांक व समय पर उपस्थित होवें। बोली लगने के पूर्व बाजार व दैनिक हेतु अमानत राशि रूपये 100000/- शब्दों में एक लाख रूपये अग्रिम जमा करानी होगी तथा सफल बोली बोलने वाले को तुरंत नीलामी पश्चात सफल बोली की 25 प्रतिशत राशि जमा करना होगा एवं एक सप्ताह के अंदर 1000/- स्टाम्प पेपर पर अनुबंध पत्र लिखना अनिवार्य है।

नीलामी की शर्तें- कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर कार्यालय ग्राम पंचायत उकवा से जानकारी प्राप्त करें।

-विनीत-

रामबती उयके सरपंच	शिवशंकर तिवारी उपसरंपच
प्रिती सहारे सहायक सचिव	भजन वल्के सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत उकवा

किराये पर देना है
दुकान/ऑफिस
800sq.ft
किराए से देना है
स्टेट बैंक के पास
मेन रोड, बालाघाट
संपर्क करें-8516809720

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/
ऑडिट कार्य हेतु
10वीं, 12वीं, बी.काम.
प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण
युवक/युवती की
आवश्यकता है
मिलने का समय शाम
5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बायरेया टिजारे एण्ड एसोसिएट्स
, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल
मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 16 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन आज से

नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में 30 मार्च तक होगा आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ एवं बालाघाट जिला फुटबाल संघ के तत्वाधान में अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में नगर में 16 से 30 मार्च तक आयोजित इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश की करीब 8 टीमें शामिल होंगी जो नगर के मुलना स्टेडियम में अपने पैरों का जादू दिखाऐगी। जिसकी तमाम तैयारी पूर्ण कर ली गई है। बताया गया कि 16 मार्च से नगर के मुलना स्टेडियम में आयोजित इस प्रदेश स्तरीय

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर 15 बॉयस खिलाड़ी शामिल होंगे।जिनमे मदन महाराज भोपाल, लायंस क्लब जबलपुर, लॉयल वेव्स रायसेन, नर्मदा वैली मंडला, सतना सोल्जर सतना, वॉइस फुटबॉल क्लब उकवा,द डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी बालाघाट की टीम भाग लेगी।आयोजन समिति द्वारा इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने के लिए खिलाड़ियों को रुकवाने, उनके भोजन से लेकर खेल के मैदान तक की सभी व्यवस्थाए पूर्ण कर ली गई है।

आज इन टीमो के बीच होगी प्रतियोगिता की पहली भिड़ंत

प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोजित इस प्रतियोगिता में 15 दिन के मैच बालाघाट में होंगे तो वहीं 15 दिन के मैच जबलपुर के ग्लोबल कॉलेज ग्राउंड में संपन्न कराए जाएंगे।इस तरह इस प्रतियोगिता का आयोजन करीब 1 माह के लिए होगा। आज 16 मार्च को प्रतियोगिता का पहला मैच सुबह 8 बजे खेला जाएगा। जिसमें प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मदन महाराज भोपाल बनाम द डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी बालाघाट के मध्य होगा, जहां 90 मिनट का खेल संपन्न होने के बाद प्रतियोगिता में दिन का दूसरा और अंतिम मैच स्टेम फील्ड फुटबॉल जबलपुर बनाम नर्मदा वैली मंडला के बीच संपन्न होगा।आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 3 से 4 टीम बालाघाट पहुंच चुकी है। तो वही अन्य टीमों के 16 मार्च शाम तक बालाघाट पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

फाईनल विजेता टीम को इंडिया लिंग प्रतियोगिता में खेलने का मिलेगा मौका- यादव

फुटबॉल संघ सचिव सुनील यादव ने बताया कि कल सोमवार से स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन होना है, इसमें 8 टीमें शामिल हो रही है,15 दिन मैच बालाघाट में, तो 15 दिन जबलपुर में मैच चलेंगे,इस प्रतियोगिता में जो भी टीम फाइनल जीतेगी, उस टीम को इंडिया लीग प्रतियोगिता में खेलने का मौका दिया जाएगा।

हथियार छोड़ हुनर की राह पर पूर्व नक्सली

मारे गए मुखबिरों के परिजनों को मिली नौकरी, नौकरी मिलने पर परिजन हुए भावुक

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में स्थानिक पुलिस लाइन में उन्हें सिलाई और बुनाई जैसे हुनर सिखाए जा रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसके साथ ही पुलिस द्वारा उन परिवारों की भी सहायता की जा रही है, जिनके परिजनों की नक्सलियों ने पुलिस की मुखबिरी के आरोप में हत्या कर दी थी। ऐसे पीड़ित परिवारों के सदस्यों को पुलिस विभाग में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। नौकरी प्राप्त करने पहुंचे कुछ परिजन कैमरे के सामने भावुक हो गए। उन्होंने अपने उन परिजनों को याद किया, जिन्हें नक्सलियों ने मार दिया था। नौकरी मिलने की खुशी और अपनों की याद में उनकी आंखें नम हो गईं। परिजनों ने पुलिस विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए बड़ी राहत है। हालांकि कुछ लोगों ने यह भी कहा कि यदि यह सहायता पहले मिल जाती तो उनके परिवार को कठिन परिस्थितियों का सामना कम करना पड़ता। बावजूद इसके उन्होंने पुलिस द्वारा दिए गए इस अवसर को सराहनीय बताया।

कभी जिन हाथों में हथियार हुआ करते थे, आज वही हाथ सिलाई-बुनाई सीखकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले लगभग 13 नक्सलियों में से करीब 10 महिला और पुरुष नक्सलियों को बालाघाट पुलिस लाइन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पुलिस विभाग उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई और बुनाई का काम सिखा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जब कुछ पूर्व नक्सलियों से अनौपचारिक बातचीत की गई तो उन्होंने अपने पुराने जीवन को याद करते हुए कहा कि भले ही उन्होंने उस समय अपने निर्णय से नक्सली संगठन ज्वाइन किया था, लेकिन आत्मसमर्पण के बाद का जीवन उन्हें अब बेहतर लग रहा है। उनका कहना है कि अब वे समाज की मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन जीना चाहते हैं और अपने परिवार तथा समाज के बीच रहना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की रहने वाली जयशिला ओयाम ने बताया कि कुछ वर्ष पहले वह नक्सली संगठन से जुड़ गई थी। आत्मसमर्पण के बाद अब वह नया जीवन शुरू करना चाहती है। वर्तमान में वह सिलाई सीख रही है और प्रशिक्षण के दौरान पुलिस विभाग की वर्दी सिलने का काम भी कर रही है। सुकमा जिले के नुकु उर्फ नवीन कुमार ने बताया कि उन्होंने भी कुछ साल पहले हथियार उठाया था, लेकिन अब आत्मसमर्पण के बाद वह नया जीवन शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान वह पुरुषों के पेंट-शर्ट और पुलिस की वर्दी सिलना सीख चुके हैं और जल्द ही अपने परिवार के साथ सामान्य जीवन बिताने की इच्छा रखते हैं। इसी तरह सुकमा जिले के विक्की उर्फ विक्रम ने बताया कि उन्होंने करीब 10 वर्ष पहले नक्सली दलम ज्वाइन किया था। उन्होंने कहा कि एक घटना में उनके पिता की मौत छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ मुठभेड़ में हो गई थी, जिसके बाद बदले की भावना में उन्होंने हथियार उठा लिया था। हालांकि अब आत्मसमर्पण के बाद वह समाज में बेहतर जीवन जीना चाहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दो बड़े भाई हैं, जिनमें से एक सरपंच है और दूसरा भी सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़ा हुआ है। आत्मसमर्पण के बाद अब वह सामान्य जीवन जीना चाहते हैं और यहां से जाने के बाद शादी कर नया जीवन शुरू करने की इच्छा भी उन्होंने मीडिया के सामने जाहिर की है।

मुखबिर के शक में मारे गए लोगों के परिजनों को मिली नौकरी

बालाघाट जिले में वर्षों पहले नक्सलियों द्वारा मुखबिर होने के शक में मारे गए लोगों के परिजनों को अब पुलिस विभाग में रोजगार का सहारा मिला है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर ऐसे लगभग 14 प्रभावित परिवारों के सदस्यों को पुलिस विभाग में नौकरी दी जा रही है, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी है। नौकरी मिलने के बाद ग्राम राशिमेटा निवासी संजय कुमार टेकाम ने बताया कि जब उनके पिता की हत्या नक्सलियों ने मुखबिर होने के शक में की थी, तब वह मात्र एक वर्ष के थे। उन्हें इस घटना की जानकारी बाद में उनकी माता से मिली। उन्होंने बताया कि इतने वर्षों बाद पुलिस विभाग से नौकरी मिलने की उन्हें उम्मीद नहीं थी, लेकिन अब यह उनके लिए बड़ी राहत और सम्मान की बात है। इसी तरह प्रफुल्लबाई कुम्मरे ने बताया कि उनके पति की हत्या भी नक्सलियों ने कर दी थी। घटना के बाद उन्होंने कई बार शासकीय नौकरी और अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रयास किए, लेकिन लंबे समय तक उन्हें कोई सहायता नहीं मिल सकी। अब कई वर्षों बाद पुलिस विभाग द्वारा नौकरी मिलने से उन्हें अपने बच्चों के भविष्य के लिए एक सहारा मिला है। चंगेरा गांव की रहने वाली सरिता ने बताया कि उनके पति की भी नक्सलियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। पति की मौत के बाद वह गांव में खेती-किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं। अब पुलिस विभाग में आरक्षक के रूप में नौकरी मिलने से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं और अब इस नौकरी की मदद से वह उनकी पढ़ाई और अन्य जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगी। सरिता ने बताया कि इतने वर्षों बाद उन्होंने सरकारी सहायता और नौकरी की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के प्रयासों से उन्हें यह अवसर मिला है।

सभी ने समर्पण और लगन के साथ प्रशिक्षण लिया है - राजाराम

प्रशिक्षण दे रहे सब इंस्पेक्टर राजाराम विश्वकर्मा ने बताया कि पिछले कुछ समय से पूर्व नक्सलियों को सिलाई का कार्य सिखाया जा रहा है। शुरुआत में भाषा समझने में थोड़ी दिक्कतें सामने आईं, जिसके कारण प्रशिक्षण में कुछ परेशानी भी हुई। हालांकि धीरे-धीरे सभी ने एक-दूसरे को समझते हुए सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षार्थियों ने पूरे समर्पण और लगन के साथ प्रशिक्षण लिया है। अब अधिकांश लोग सिलाई का कार्य अच्छी तरह से समझने लगे हैं और साधारण कपड़े भी सिलना सीख चुके हैं।

मगफिरत की रात- शब ए कद्र आज

मुस्लिम समाज के लोग पूरी रात जागकर करेंगे इबादत चांद का दीदार कर मनाई जाएगी ईद

पदमेश न्यूज। बालाघाट। अरबी फारसी भाषा का शब्द शब ए कद्र दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां शब का हिंदी अर्थ रात है तो वही कद्र का अर्थ जिसकी कद्र की जाए होता है।अर्थात ऐसी रात जिसकी कद्र की जाए शब ए कद्र कहलाती हैं। रमजान माह के अंतिम पड़ाव में यह रात आज सोमवार को है।जहां मुस्लिम समाज के

लोग पूरी रात जागकर विशेष नमाज, तिलावते कुरान और अन्य इबादतों में गुजार कर एक अल्लाह से अपनी मगफिरत की दुआएं मांगेंगे।साथ ही मुस्लिम समाज द्वारा इस विशेष रात में इबादत कर गुनाहों से निजात और मगफिरत की दुआएं मांगी जाएंगी। आपको बताए कि रमजान शरीफ के आखिरी अशरे में नेमतों की यह रात शबे कद्र आती है जिसके ठीक 3-4 दिन बाद चांद की तस्दीक कर ईद का त्यौहार मनाया जाता है। जहां 29 वा चांद दिखने पर 20 मार्च शुक्रवार को, तो वहीं 30 वा चांद देखने पर 21 मार्च शनिवार को रमजान ईद मनाई जाएगी जिसकी तैयारियां मुस्लिम समाज द्वारा लगभग पूर्ण कर ली गई है

अलविदा जुमा में , नम आंखों से रोजेदार माहे रमजान को कहेंगे अलविदा

माहे रमजान में अलविदा जुम्मा का अपना विशेष महत्व है।यदि चांद के हिसाब से रमजान के पूरे 30 रोजे होते है तो इस रमजान में महीने का आखिरी जुमा सम्भवतः शुक्रवार 20 मार्च को अदा किया जाएगा।इस अलविदा जुम्मा को लेकर मस्जिदों में भारी भीड़ बनी रहेगी।जहा रोजेदार ,अलविदा जुमा पर नम आंखों से दुआएं करते हुए इस पवित्र महीने को अलविदा कहते नजर आएंगे।इसके पूर्व 13 मार्च को आए जुमे को भी अलविदा जुमा पढ़ा गया।आज 27 वी शब यानी शब ए कद्र मनाई जाएगी।जिसमें समाज के लोग पूरी रात एक अल्लाह की इबादत करेंगे। वही 29 वे रोजे से चांद का दीदार करने की उत्सुकता रहेगी जहां चांद नजर आने के दूसरे दिन ईद मनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मस्जिदों में सामूहिक रूप से माहे रमजान के सभी आयोजन हुए है। सेहरी का दौर चला है, तो इफ्तार की महफिल सजी है। तरावीह, पांच वक्त की नमाजों के अलावा अन्य सभी इबादतो में मुस्लिम समाजनों ने शिरकत की है और महीना भर मस्जिद गुलजार नजर आई है। ईद की खुशियों के बीच अब इस पवित्र महीने के विदा होने का भी इबादत गुजारो को गम है।

मस्जिदों और घरों में होगी विशेष इबादत

मुस्लिम समाज के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है। जिसमें रमजान शरीफ के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है। अपने इसी फर्ज की अदायगी के लिए मुस्लिम समाज द्वारा रमजान शरीफ में पूरे माह रोजा रख विशेष इबादत की जाती है। वही रमजान शरीफ के अंतिम अशरे में 26 वा रोजा मुकम्मल कर 27 वी शब को शबे कद्र मनाई जाती है। शबे कद्र पर मुस्लिम समाज के पुरुष मस्जिदों मदरसो व अन्य इबादतगाहो में जाकर पूरी रात विशेष नमाज अदा करते हैं, वही पूरी रात तिलावत में गुजारते हैं। वही मुस्लिम महिलाएं घरों में रात भर इबादत कर अपने गुनाहों की माफी मांगती है।इसके अलावा मुस्लिम पुरुष इसी रात अपने पूर्वजों की कब्रगाह में जाकर उन्हें याद करते है। तो वही इबादगाहों में मिलाद शरीफ, दरूद खानी, कुरआन खानी, नात खानी तकरीर सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पंवार समाज का सशक्ति समागम कार्यक्रम आयोजित

पावरी भाषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

पदमेश न्यूज। बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पंवार क्षत्रिय संगठन द्वारा शहर के वार्ड क्रमांक 32 स्थित पंवार मंगल भवन में सशक्ति समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विशेष बात यह रही कि कई कार्यक्रम पंवार समाज की पारंपरिक पावरी भाषा में प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला।

कार्यक्रम के संबंध में संगठन के जिलाध्यक्ष विशाल बिसेने ने बताया कि 15 मार्च को जिला स्तरीय पंवार समाज द्वारा महिला सम्मेलन का आयोजन पहली बार किया गया है। इस कार्यक्रम में समाज की बहनों, बेटियों और बहुओं को आमंत्रित किया गया, जो आज जिले, प्रदेश और देश स्तर पर अपनी प्रतिभा के दम पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। इनमें प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत कई महिलाएं भी शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि इस आयोजन को सशक्ति समागम नाम दिया गया है, ताकि समाज की बेटियों और बहुओं में आत्मविश्वास बढ़े और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज की परंपराओं और संस्कृति को भी प्रदर्शित किया गया। पावरी भाषा में प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक व सांस्कृतिक एकता को मजबूत करना था। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और समाज को प्रेरित करने वाले उद्बोधन भी दिए। आयोजन में जिले भर से बड़ी संख्या में महिलाएं, समाज के वरिष्ठ सदस्य और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र कटरे, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र रागेणडाले, उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा बिसेन, सहसचिव एड. अजय बिसेन, उपाध्यक्ष गायत्री बिसेन, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशालता चौहान, महासचिव योगिता विनय बोंपचे, कोषाध्यक्ष रंजना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

माँ तुझे प्रणाम योजना के तहत बालाघाट का युवा दल, भारत की अंतराष्ट्रीय सीमा के लिए रवाना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन की माँ तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत बालाघाट के चयनित युवाओं का दल लोंगेवाला राजस्थान भ्रमण हेतु रवाना हुआ। दल को जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बालाघाट मुलना स्टेडियम से भोपाल के लिए रवाना किया गया, जहाँ से सभी प्रतिभागी लोंगेवाला राजस्थान के लिए प्रस्थान करेंगे।बताया गया कि इस दल में सभी विकासखंड से कुल 40 युवा ऑफिसियल शामिल हैं। बालाघाट जिले से जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा तथा युवा समन्वयक लव कुमार नगपुरे बतौर ऑफिसियल दल के साथ रवाना हुए हैं। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को भारत की अंतराष्ट्रीय सीमा,ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक धरोहरों से परिचित कराना तथा उनमें देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता व राष्ट्र चेतना का विकास करना है।सभी युवा साथियों को जिला खेल विभाग के सभी कर्मचारी योगेंद्र पटले, दीपक अवचट, धीरज डोंगरे एवं जिला खेल प्रशिक्षक, युवा समन्वयक के द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

ससुराल से लौटे व्यक्ति ने लालबर्रा के बड़े तालाब विसर्जन घाट में कूदकर दी जान

मानसिक तनाव के चलते उठाया खौफनाक कदम, होमगार्ड की टीम ने रेस्क्यू कर निकाला शव

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौपा, जांच में जुटी पुलिस

रिपोटर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गणेशपुर में उस वक्त मातम पसर गया, जब ससुराल से अपनी पत्नि और ब'ची के साथ लौटे एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने तालाब में कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना रविवार दोपहर की है, जब व्यक्ति अपनी पत्नि के सामने ही लालबर्रा के विसर्जन घाट स्थित तालाब के गहरे पानी में कूद गया। जिसके बाद महिला अपने पति को गहरे पानी में जाते हुए देखकर चिखने-चिल्लाते एवं रोते हुए बचाव-बचाव कहकर चिल्लाने लगी। जिसकी आवाज सुनकर तालाब के समीप निवासरत मो आरिफ खान मकान से बाहर निकलकर तालाब की ओर आकर देखे तो एक व्यक्ति उन्हे पानी में डुबते हुए दिखाई दिया। जिसके बाद उसने उसे बचाने के लिए बांस तालाब में डाला किन्तु उसका प्रयास सफल नही हो पाया और व्यक्ति अपनी पत्नि व ब%ची के सामने गहरे पानी में डुब गया जिससे उसकी मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस व उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं लालबर्रा के बड़ा तालाब विसर्जन घाट में एक व्यक्ति के कुदने से मौत हो जाने की सनसनी खबर फैलते ही घटना स्थल में भीड़ लग गई। पुलिस ने गोताखोरों की टीम की मदद से गहरे पानी में डुबे व्यक्ति का शव बाहर निकाला और आवश्यक कार्यवाही का पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लेकर आये जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर मृत व्यक्ति का शव उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक परिवार का मुखिया था

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गणेशपुर निवासी 30 वर्षीय अरूण मानेश्वर नागपुर में मजदूरी का कार्य करता था। जो बुधवार को अपनी पत्नि एवं एक साल की बेटी को लेकर नागपुर से अपने गांव गणेशपुर आया था और जिनका बड़ा बेटा 4 वर्षीय अपने मामा के गांव सेलवा कटंगी में रहता है। शनिवार को अरूण अपनी पत्नि और बच्चीं के साथ अपने बेटे को लेने एवं मिलने के लिए ससुराल सेलवा(कटंगी) गया था किन्तु उनका बेटा अपने मामा के घर पर ही रूक गया। रविवार 15 मार्च की दोपहर में अरूण मानेश्वर अपनी पत्नि व छोटी बेटी को लेकर वापस लालबर्रा लौटा था। लेकिन वह लालबर्रा बस स्टैण्ड से अपने घर गणेशपुर जाने की बजाय वह लालबर्रा के बड़ा तालाब की ओर जाने लगा तो उनकी पत्नि ने उन्हे मना भी की किन्तु वह नही मना और सामान से भरा बेग लेकर लालबर्रा गार्डन की ओर जाने लगा। जिसके पीछे उनकी पत्नि भी गोद में छोटी सी बेटी को लेकर अपनी पति के पीछे जाने लगी, जैसे ही वह लालबर्रा के बड़ा तालाब विसर्जन घाट की ओर पहुंचा और बेग सहित तालाब में छलांग लगा दी। जिसे देखकर उनकी पत्नि घबरा गई और बचाव-बचाव कहकर निकालते हुए रोने लगी। लेकिन तालाब में अत्यधिक पानी होने के कारण वहां देखते ही देखते वह गहरे पानी में समा गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। जिसके बाद पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पुलिस व उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं तालाब में एक व्यक्ति के कुद जाने की जानकारी लगने के बाद पांढरवानी सरपंच, पुलिसकर्मी भी घटना स्थल पहुंचे लेकिन तब तक अरूण गहरे पानी में जा चुका था, सिर्फ बेग पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया, वहां दिखाई नहीं दे रहा था। जिसे खोजने के लिए होमगार्ड (एनडीआरएफ) के गोताखोरों की टीम को बुलाया गया, जिन्होने कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला और लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित शव विच्छेदन गृह में शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया जा रहा है कि अरूण मानेश्वर नागपुर में मजदूरी कार्य करता था, जिसके परिवार में पत्नि, दो बच्चें है और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। जो गत दिवस ही नागपुर से अपने गांव आया था किन्तु किसी बात को लेकर मानसिक तनाव में रहता था और मानसिक तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाने से उसकी मृत्यु होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

अचानक तालाब में कुद गया एक व्यक्ति - आरिफ

मो. आरिफ कुरैशी ने बताया कि लालबर्रा के विसर्जन घाट बड़ा तालाब के समीप मेरा मकान है, दोपहर में अपने घर पर खाना खा रहा था। तभी अचानक से एक महिला की आवाज सुनाई दी जो चिल्ला रही थी कि बचाव बचाव। उसके बाद में तत्काल तालाब की ओर दौड़ा तो देखा कि एक व्यक्ति पानी में डूब रहा है। जिसे बचाने का मेरे द्वारा पूरा प्रयास किया गया परंतु उसे मैं नहीं बचा पाया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और गहरे में पानी डुब जाने से उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस मामले की जांच कर रही है - शिवप्रसाद

मृतक व्यक्ति का ससुर शिवप्रसाद कावरे ने बताया कि शनिवार को अरूण अपनी पत्नि के साथ सेलवा कटंगी आये थे। जब वह घर आया तो उसका मानसिक संतुलन पहले से ही खराब था, वह बार-बार कुएं के पास जाने की कोशिश कर रहा था, जिसे हमारे द्वारा कुएं के पास जाने नही दिया गया। श्री कावरे ने बताया कि रविवार को सुबह बस में बैठाकर उन्हे लालबर्रा पहुंचाया गया था परन्तु बताया जा रहा है कि लालबर्रा बस स्टैंड में उतरने के बाद वह सीधे तालाब की ओर गया और वहां छलांग लगा दी जिससे उसकी मृत्यु हो गई। किस कारण से तालाब में कुदकर आत्महत्या की है पता नही, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

योजना का दिलवाया जायेगा लाभ - हेमंत

गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे ने बताया कि अरूण मजदूरी कार्य करता था जो शनिवार को अपने ससुराल गया था, रविवार को दोपहर में उनके बड़े भाई का फोन आया कि मेरे छोटा भाई तालाब में डूब गया है, जिसके बाद तत्काल लालबर्रा के बड़ा तालाब पहुंचा तो गहरे पानी में चले जाने से उसकी मौत हो चुकी थी। यह बहुत दु:खद घटना है जिसके दो छोटे ब%चे है और वह परिवार का मुखिया था। साथ ही यह भी बताया कि मृतक के परिवार को शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

मामले की जांच की जा रही है - थाना प्रभारी

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि रविवार को दोपहर में सूचना मिली थी कि लालबर्रा के बड़ा तालाब विसर्जन घाट में एक व्यक्ति कुद गया है, तत्काल मौके स्थल पर पहुंचे तो वह व्यक्ति गहरे पानी में डुब चुका था। जिसके बाद होमगार्ड (एनडीआरएफ) के गोताखोरों की टीम के माध्यम से शव बरामद किया है। मृतक की पहचान गणेशपुर निवासी अरूण मानेश्वर के नाम से हुई है, पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

बसपा का जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सरस्वती मैदान में बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में रविवार को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और सामाजिक परिवर्तन के महानायक मान्यवर साहब कांशीराम जी की 92 वे जयंती के अवसर पर जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बहुजन समाज पार्टी के मुख्य जोन प्रभारी कमलेश बौध्द के मुख्य आतिथ्य, बसपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र की अध्यक्षता एवं अन्य पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया और उन्हे नमन किया। आयोजित जयंती समारोह एवं विचार संगोष्ठी में उपस्थित अतिथियों ने बहुजन समाज पार्टी के सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4, बसपा संस्थापक बहुजन नायक माननीय कांशीराम के जीवन एवं संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि साहब कांशीराम जी ने ही पिछड़ों, दलितों और शोषित समाज को उनका वास्तविक हक दिलवाया है, उन्होंने दबे-कुचले लोगों को न केवल समाज की मुख्यधारा से जोड़ा, बल्कि उन्हें राजनीति और शासकीय सेवाओं में प्रतिनिधित्व के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया। साथ ही यह भी कहा कि कांशीराम जी का मानना था कि जब तक बहुजन समाज के पास राजनीतिक सत्ता नहीं होगी, तब तक पूर्ण विकास संभव नहीं है। उन्हीं के प्रयासों का फल है कि आज बहुजन समाज अपने हक के प्रति जागरूक हुआ है। साथ ही समारोह के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि वे साहब कांशीराम जी के बताये मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, समानता और स्वाभिमान का संदेश पहुंचायेगें। वहीं कार्यक्रम के दौरान जय भीम और साहब कांशीराम अमर रहें के नारों से पूरा कार्यक्रम परिसर गुंजायमान रहा। चर्चा में विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े ने बताया कि सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4 बसपा संस्थापक बहुजन नायक मान्यवर साहब कांशीराम जी के 92 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को लालबर्रा के जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर बालाघाट सहित अन्य जिले से पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आये थे। जिन्हे अतिथियों के द्वारा बसपा के संस्थापक साहब कांशीराम के जीवनगाथा एवं उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यों के बारे में बताया गया है और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने एवं संगठित होकर काम करने कहा गया है। इस अवसर पर जोन प्रभारी सचिन फूलचंद, बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी बालकिशन चौधरी, बालाघाट जोन प्रभारी उमाकांत बंदेवार, ज्ञानेश्वर गजभिये, अजाब शास्त्री, जबलपुर जोन प्रभारी रामजी सतनामी, शिवकुमार वर्मा, पूर्व जिला प्रभारी दुर्गेश बिसंन, दीपक मेश्राम, मंडला पूर्व जिला प्रभारी इंदरसिंह उइके, उत्तम जाटव, डोमनलाल अहिरवार, तामसिंह परते, अंसर अहमद, रमेश नागले, राकेश चौकीदार, राकेश चौधरी, मानकलाल गोंटिया, लालसिंह गौतम, प्रेमनारायण जाटव, मानिक वानखेड़े, श्रीमती पमिता दिलावर, सीताराम कटारे, राजेन्द्र साहू, लालसिंह नंदोरे, लखन अहिरवार, आरके चौधरी, प्रतापसिंह आर्मो, ठाकुर त्रिविक्रम इड़पाची, गिरवर टेटवाल, जीआर पटेल, अशोक गजभिये, विधानसभा प्रभारी खेमलाल हरिनखेड़े सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्लॉक मरार माली समाज की हुई बैठक

बैठक में जिले स्तर पर चक्रवर्ती सम्राट अशोक की जयंती मनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के शांतिनगर निवासी मरार माली समाज के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर के निवास स्थान में 15 मार्च को मरार माली समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मरार माली समाज पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थिजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले, चक्रवर्ती सम्राट अशोक के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में आगामी 26 मार्च को जिला मुख्यालय में चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती मनाने, ग्राम, सर्किल एवं ब्लाक स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और 26 मार्च को बालाघाट में चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने एवं उनके जीवनगाथाओं को जानने पर चर्चा की गई। वहीं उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले, चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान के जीवनगाथाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम लोग महात्मा 'योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले की जयंती एवं पुण्यतिथि मनाते है लेकिन हमारे मौर्य काल के प्रशासक चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान के बारे में जानने का प्रयास नही किया है जिन्होने देशहित व समाजहित में बड़े-बड़े काम किये है इसलिए इस वर्ष जिला मरार माली समाज के द्वारा 26 मार्च को उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जायेगी और उनके जीवनगाथाओं के बारे में अवगत करवाया जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि हम सभी को इन तीन महापुरूषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। बैठक को संबोधित करते हुए मरार माली समाज ब्लाक उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर ने कहा कि सम्राट अशोक प्राचीन भारत के सबसे महान राजाओं में से एक थे। वे न केवल एक कुशल योध्दा थे, बल्कि शांति और अहिंसा के महान संदेशवाहक भी बने। उनका जन्म लगभग 304 ईसा पूर्व में हुआ था, उनके पिता का नाम बिन्दुसार था और उनके दादा चन्द्रगुप्त मौर्य थे, जिन्होंने महान मौर्य साम्रा'य की स्थापना की थी। साथ ही यह भी कहा कि सम्राट अशोक के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना कलिंग युध्द थी। इस युध्द में हुए भारी नरसंहार और विनाश को देखकर उनका हृदय द्रवित हो गया। जिसके बाद उन्होने बौध्द धर्म को अपना लिया और उन्होंने हिंसा का मार्ग त्यागकर अहिंसा, दया और शांति के मार्ग को चुना था। साथ ही बौध्द धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने कई स्तूपों और विहारों का निर्माण करवाया और अपनी प्रजा के हित के लिए अनेक कार्य किये जैसे पूरे साम्राज्य में अशोक स्तंभ और शिलालेख बनवाये ताकि जनता को नैतिक शिक्षा मिल सके। श्री नागेश्वर ने कहा कि आगामी 26 मार्च को जिला मरार माली समाज बालाघाट के तत्वाधान में चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती भव्य रूप से मनाई जायेगी इस अवसर पर सभी सामाजिक बंधुओं को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचना है। चर्चा में ब्लाक मरार माली समाज अध्यक्ष कैलाश मात्ते ने बताया कि रविवार को ब्लाक स्तरीय सामाजिक पदाधिकारियों व स्वजातीय बंधुओं की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आगामी 26 मार्च को चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जिला स्तर पर जयंती मनाने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और सभी को 26 मार्च को बालाघाट अधिक से अधिक लोगों को लेकर पहुंचने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मात्ते, पूर्व अध्यक्ष ओपी बाहेश्वर, कोमल पंचेश्वर, भाऊराम गाड़ेश्वर, मदन माने सहित अन्य जिला प्रतिनिधि, ब्लाक पदाधिकारी, सर्किल अध्यक्ष, ग्राम अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी व स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

सड़क के किनारे खरपतवार होने से आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

ग्रामीण एवं राहगीरों ने खरपतवार (झाड़ियों) की साफ-सफाई करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया से निलजी पहुंच मार्ग के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने के कारण मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणजनों को मोड़ाई में दूर से आने-जाने वाली मोटरसाइकिल, साइकिल, अन्य वाहन व लोग दिखाई नही देने एवं कुछ स्थानों से मार्ग खराब होने के कारण आवागमन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीण एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत खमरिया से निलजी, चंदपुरी एवं रटेगांव की ओर यह मार्ग जाता है और यह एक व्यस्तम मार्ग है। लेकिन इस मार्ग के दोनों ओर उगी लंबी झाड़ियां (खरपतवार) की लंबे समय से साफ-सफाई व कटाई नही करवाई गई है और घनी झाड़िया होने के कारण उक्त स्थानों से जब लोग आना-जाना करते है तो उन्हे खासा परेशानी होती है। साथ ही यह ऐरिया खमरिया जंगल से लगा हुआ है जिससे वन्यप्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना रहता है। ऐसे में इन झाड़ियों में वनप्राणी छुपे रह सकते है। वहीं सड़क के दोनों ओर खरपतवार उग जाने से पढ़ाई करने आने वाले छात्र-छात्राओं, ग्रामीणजनों एवं राहगीरों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जल्द ही मार्ग के किनारे की झाड़ियों की साफ-सफाई व कटाई नही करवाई गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। राहगीर एवं ग्रामीणजनों ने खमरिया से निलजी पहुंच मार्ग के दोनों साइड की झाड़ियों की साफ-सफाई एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाये जाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

भद्रीटोला में शोपीस बनी नल-जल योजना ग्रामीण झेल रहे जल संकट

दो हैंडपंपों के भरोसे भद्रीटोलावासी दूषित पानी पीने को मजबूर प्रशासन मौन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी के भद्रीटोला में निवासरत परिवारों के सामने जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जहां नल जल योजना जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा बलीपाट टोला में टंकी का निर्माण लाखों रुपए की लागत से करवा दिया गया है। परंतु इसका संचालन व्यवस्थित रूप से नहीं होना ही सबसे बड़ी समस्या है इस समस्या से ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। योजना का पानी बलीपाट टोला में मिल रहा हैं पर भद्रीटोला में पानी की किल्लत का सामना करते हुए पानी प्राप्त करने के लिए हेडपम्प पर जद्दोजहद करनी पड़ रही है। उसके बाद भी कई बार हैंडपंप से जंग युक्त पानी उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पाइपलाइन बिछी पर प्यासा है गांव

भद्रीटोला में नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य काफी समय पहले पूरा हो चुका है। ग्रामीण लंबे समय से इस उम्मीद में थे कि उनके घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचेगा। लेकिन विडंबना यह है कि आज तक इन नलों से पानी की एक बूंद भी नहीं टपकी है। योजना केवल बिछी हुई पाइपलाइनों तक ही सीमित रह गई है। टोले की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है जल आपूर्ति के नाम पर भद्रीटोला की निर्भरता केवल २ हैंडपंपों पर टिकी है। इन दो हैंडपंपों पर लगभग ४० परिवारों की जिम्मेदारी है। जहाँ पानी भरने के लिए सुबह से ही लंबी कतारें लग जाती हैं जिससे ग्रामीणों का काफी समय बर्बाद होता है। वहीं हैंडपंपों से निकलने वाला पानी भी शुद्ध नहीं है पानी में जंग की मात्रा है दूषित और लाल पानी पीने के कारण ग्रामीणों में विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। स्वच्छ पानी का कोई अन्य विकल्प नहीं होने के कारण ग्रामीण यही पानी पीने को मजबूर हैं। जिससे भद्रीटोला के निवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष है। भद्रीटोला की यह स्थिति जल जीवन मिशन जैसे बड़े दावों पर सवाल खड़ी करती है। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो दूषित पानी के सेवन से गांव में कोई बड़ी बीमारी फैल सकती है। शासन और प्रशासन को इस दिशा में तत्काल ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। जिसमें ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि बिछी हुई पाइपलाइन की तत्काल जांच हो जल आपूर्ति शुरू करे गांव में नए बोरवेल की व्यवस्था की जायें। ताकि नल जल योजना का लाभ सभी को मिल सके।

पाइपलाइन तो डाल दिए हैं किंतु टंकी बनी तब से पानी नहीं आया-सुनीता पटले

ग्रामीण सुनीता पटले ने बताया कि हम लोग पानी पानी के हो गए हैं हैंडपंप पर जाओ तो झगड़ा होता है। पानी भरने के लिए हर किसी के घर में समस्या है पानी पर्याप्त नहीं मिल रहा है पाइपलाइन तो डाल दिए हैं किंतु नल नहीं आ रहा है। बलीपाट टोले में पानी की टंकी बनी है टंकी बनी तब से पानी नहीं आ रहा है। भद्रीटोला के एक भी मकान में पानी नहीं आता है शादी विवाह में पंचायत से टंकी बुलाते हैं पानी की बहुत किल्लत है। हैंडपंप से जंग वाला पानी निकलता है वैसा ही पानी पीना पड़ता है। हमारे टोले में पानी पर्याप्त नहीं होता है कई बार २ दिन का पानी हमें पीना होता है। यदि ट्रांसफार्मर के पास एक ट्यूबवेल करवा देते तो पानी की किल्लत नहीं होती।

पानी की बहुत ज्यादा हमें किल्लत है-फुलवंता पटले

ग्रामीण फुलवंता बाई पटले ने बताया कि मैं अपने घर में बुजुर्ग महिला हूं पानी की बहुत ज्यादा हमें किल्लत है। हैंडपंप से पानी लाना पड़ता है बच्चे हमारे काम पर चले जाते हैं जब भी पानी लगता है तो हैंडपंप पर हम जाते हैं। खाना भी समय पर नहीं बनता है क्योंकि भीड़ बहुत ज्यादा हैंडपंप पर होती है दो हैंडपंप है जिसमें एक खराब हुआ तो विवाद की स्थिति बढ़ जाती है। नल जल योजना का तो आज तक पानी नहीं आया है सरपंच को बोलते बोलते थक गए कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

हमारे टोले में दो हैंडपंप है ८० मकान के लोग निर्भर है -रायवंता भलावी

ग्रामीण रायवंता बाई भलावी ने बताया कि हैंडपंप से भी थोड़ा.थोड़ा पानी निकलता है रोज विवाद होते हैं जंग वाला पानी हमें पीना पड़ता है। आज तक हमें नल जल का पानी नहीं मिला है हमारे टोले में दो हैंडपंप है जिसके ऊपर पूरे ८० मकान के लोग निर्भर है। एक हैंडपंप से अच्छा पानी आता है और दूसरा हैंडपंप जंग वाला गंदा पानी निकलता है पर्याप्त पानी यहां पर किसी को नहीं मिलता है। बस लोग अपना जीवन चला रहे हैं योजना तो बनी है पर हमारे लिए कोई काम की नहीं है। यदि हमारे ट्रांसफार्मर के पास में एक बोर हो जाता तो इस दिक्कत का समाधान हो जाता।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि नल जल योजना का पानी आता है परंतु चढ़ाव के कारण कुछ मकानों में नहीं जाता है। टंकी जो है वह निचले स्थान पर बनी हुई है इस संबंध में पीएचई को भी हमने शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने निरीक्षण किया है मौका स्थल देखा है डाउन वाले भाग में सभी को पानी मिलता है ऊंचाई में नहीं मिल पाता है।

लोकचंद रोडगे
सरपंच मंगेझरी

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मंगेझरी के बलीपाट टोला में बनी नल जल योजना हैंडोवर हो गई है। अब इसमें हम क्या कर सकते हैं सरपंच को पहले यह चीज देखना था। फिर भी हम इस संबंध में बात करके देखते हैं।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग वारासिवनी

सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर में श्री शिव महापुराण संपन्न

महापुराण कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर में समस्त नगर वासी एवं धर्म प्रेमी बंधुओ के तत्वाधान में आयोजित सार्वजनिक संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का १४ मार्च को समापन किया गया। यह श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन ७ मार्च से १४ मार्च

तक आयोजित किया गया था। जिसमें प्रथम दिवस भव्य कलश शोभायात्रा सिद्ध श्री जागृत मंदिर जोड़ा पीपल हनुमान मंदिर से निकाली गई जो विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची जहां शोभायात्रा का समापन किया गया। तत्पश्चात पूजा पाठ कर व्यास पूजन किया गया फिर प्रयागराज उत्तर प्रदेश से पधारे पंडित चंद्रभूषण तिवारी शास्त्री महाराज के द्वारा व्यास आसन पर विराजित होकर देवराज नामक ब्राम्हण की कथा अन्य दृष्टोता के साथ संगीतमय प्रवचनों के माध्यम से सुनाई गई। इसके बाद प्रतिदिन बिंदुक एवं चंचुला की कथा नारद जी के तप्सया का वर्णन मोह एवं पश्यताप का वर्णन भगवान शिव एवं माता सती के चरित्र का वर्णन सती बृंदा के चरित्र का वर्णन शिव पार्वती विवाह की कथा भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगो की कथा प्रवचन के माध्यम से व्यास आसन से संगीतमय ढंग से सुनाई जाती रही। इस शिव महापुराण कथा का श्रवण करने के लिए नगर से क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग मंदिर प्रांगण में उपस्थित हुए। जहां उनके द्वारा मंत्रमुग्ध होकर कथा का श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया जाता रहा। यह कथा दोपहर ३ से ६ बजे तक सुनाई जाती रही जिसमें विद्वान कथावाचक के द्वारा शिव महापुराण की महिमा का बखान करते हुए बताया कि शिव तत्व क्या है और वर्तमान समय में इस कथा के श्रवण से किस प्रकार मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति संभव है। कथा के बीच बीच में संगीतमय भजनो की मनमोहक प्रस्तुती भी दी जाती रही। इसमें अंतिम दिवस कथा का विश्राम कर महापुराण कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का समापन १४ मार्च को विधि विधान से हवन पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ किया गया। आयोजक गणों ने बताया कि सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल में लगातार धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में इस सार्वजनिक संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रयागराज से पधारे पंडित चंद्रभूषण तिवारी के द्वारा व्यास आसन से कथा का प्रवचन के माध्यम से वाचन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों के द्वारा उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया जाता रहा। इस दौरान भगवान शिव की विभिन्न कथाओं का वर्णन कर समाज को संदेश देने का कार्य कथावाचन के द्वारा किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नगर की सुख.समृद्धि और शांति है। भगवान भोलेनाथ की कथा हमें संयम और परोपकार का मार्ग दिखाती है। यह कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के समापन पर पूर्णाहुति,हवन.पूजन और महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमीयो ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया।

सरसों खरीदी के पूर्व अधिकारियों ने ट्रेडर्स के स्टॉक की करी जांच

6 ट्रेडर्स में से 2 ट्रेडर्स में पाया गया ज्यादा स्टॉक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के विभिन्न स्थानों में स्थित ट्रेडर्स में अचानक राजस्व एवं कृषि उपज मंडी प्रशासन के द्वारा जांच की गई। जहां अधिकारियों के द्वारा ट्रेडर्स में सरसों के स्टाफ का निरीक्षण किया गया। हालांकि इस दौरान अधिकारियों के द्वारा ६ ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया। जिसमें दो ट्रेडर्स में स्टॉक से अधिक स्टॉक पाया गया जिसमें प्रकरण तैयार करने की कार्यवाही कृषि उपज मंडी के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। तो यह निरीक्षण कुछ दिनों में होने वाली समर्थन मूल्य पर सरसों खरीदी को लेकर किया गया। यह कार्यवाही राजस्व एवं कृषि उपज मंडी के द्वारा संयुक्त रूप से जिला कलेक्टर के निर्देश पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश शासन के द्वारा किसानों को बिचौलियों से बचने के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ की गई थी। जिसके तहत कुछ दिनों में सरसों की फसल किसानों से समर्थन मूल्य पर शासन के द्वारा खरीदी की जाना है। ऐसे में व्यापारियों के द्वारा किसान बनकर अपना स्टॉक समर्थन मूल्य खरीदी में ना खापा दे इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए सरसों खरीदी करने वाले ट्रेडर्स के स्टॉक दस्तावेज एवं मौके पर जांच के निर्देश दिए गए थे। जिसके तहत नगर में राजस्व एवं कृषि उपज मंडी के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा संयुक्त रूप से नगर में कमलेश सोहाने ,स्वप्निल सोहाने ,शुभम ट्रेडर्स ,सुलाखे ट्रेडर्स ,स्वाति ट्रेडर्स में पहुंचकर जांच की गई। जहां पर स्टॉक मेंटेनेंस रजिस्टर और मौके पर उपलब्ध सामग्री दोनों की जांच की गई। जिसमें उक्त ६ प्रतिष्ठानों में बारीकी से जांच की गई जिसमें ४ प्रतिष्ठानों में दस्तावेज और मौके पर बराबर स्टॉक पाया गया। वहीं जयदीप ट्रेडर्स में १.८० क्विंटल एवं स्वाति ट्रेडर्स में २.५० क्विंटल स्टॉक अधिक पाया गया। जिस पर ट्रेडर्स संचालक के द्वारा विभिन्न दस्तावेज दिखाकर उक्त स्टाक को वैध बताया गया। हालांकि उक्त संबंध में अधिक स्टॉक पाए जाने पर कृषि उपज मंडी के द्वारा प्रकरण तैयार करने की बात कहीं जा रही है। जिसे एसडीएम के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया ने बताया कि शासन की समर्थन मूल्य पर सरसों खरीदी प्रारंभ होना है। इसके पहले नगर सहित क्षेत्र में स्थित ट्रेडर्स में सरसों के स्टॉक की जांच करने के लिए जिला कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिए गए थे। जिसके तहत नगर के ६ ट्रेडर्स की जांच की गई जिसमें २ ट्रेडर्स के स्टॉक में विसंगति पाई गई है। इस संबंध में कृषि मंडी के अधिकारियों के द्वारा प्रकरण तैयार करने की कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर मंडी निरीक्षक नागेंद्र रंगारे ,विशाल राजपूत, विक्रांत देशमुख सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अगर आपका वेटिंग टिकट खो भी जाए तो रेलवे को उसका रिफंड देना होगा

पटना। अगर आप ट्रेनों से यात्रा करते हैं और अगर आपका वेटिंग टिकट खो भी जाए तो रेलवे को उसका रिफंड देना होगा। हाल ही में पटना जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिससे यात्रियों के अधिकारों को मजबूत सुरक्षा मिली है। दरअसल राजकुमार प्रसाद ने रेलवे से टिकट बुक कराया। उनका टिकट वेटिंग में था और कंफर्म नहीं हो पाया। जब टिकट को रद्द करवा कर रिफंड लेने की बारी आई, तो किसी कारणवश उनका टिकट खो गया। रेलवे ने टिकट खो जाने के आधार पर उन्हें पैसा लौटाने से इनकार कर दिया। रेलवे का कहना था कि रिफंड तभी दिया जा सकता है जब मूल टिकट प्रस्तुत किया जाए। राजकुमार प्रसाद ने रेलवे के इस रवैये के खिलाफ उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। उनकी याचिका में यह तर्क दिया गया कि टिकट खो जाने पर भी उनके पास यात्रा और टिकट बुकिंग का प्रमाण मौजूद था, और ऐसे में रेलवे को राशि वापस करनी चाहिए। सुनवाई के दौरान उपभोक्ता आयोग ने माना कि केवल टिकट खो जाने के आधार पर रिफंड रोका नहीं जा सकता। आयोग ने रेलवे को स्पष्ट निर्देश दिया कि वह टिकट की पूरी राशि ब्याज सहित लौटाए। इसके अलावा, मानसिक पीड़ा और असुविधा के लिए हर्जाना देने का भी आदेश दिया। आयोग ने यह भी कहा कि केवल तकनीकी या कागजी आधार पर यात्रियों के वैध अधिकारों को रोकना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है और इसे सेवा में कमी माना जाएगा। आयोग ने अपने फैसले में कहा कि वेटिंग टिकट खो जाना यात्रियों की गलती नहीं है, और रेलवे को उन्हें न्यायपूर्ण रूप से रिफंड देना ही होगा। इस आदेश को यात्रियों के अधिकारों की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस फैसले से यह संदेश भी गया है कि रेलवे जैसी बड़ी सेवा प्रदाता कंपनी तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताओं का हवाला देकर यात्रियों के हक से नहीं खिलवाड़ कर सकती। यात्रियों के पास बुकिंग का प्रमाण होने पर रिफंड देना अनिवार्य है, चाहे टिकट खो गया हो। बहरहाल पटना जिला उपभोक्ता आयोग का यह निर्णय अन्य यात्रियों के लिए भी मार्गदर्शक बनेगा।

भारी बर्फबारी से मुगल रोड बंद, प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही रोकी

पुंछ। जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी के कारण ऐतिहासिक मुगल रोड पर यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने खराब मौसम और सड़क पर जमी बर्फ को देखते हुए एहतियातन वाहनों की आवाजाही रोकने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार पीर पंजाल रेंज की ऊंची पहाड़ियों में हुई ताजा बर्फबारी के कारण सड़क बेहद फिसलन भरी हो गई है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। खासकर पीर की गली और आसपास के इलाकों में बर्फ की मोटी परत जमने के कारण वाहन चलाना असुरक्षित हो गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने फिलहाल इस मार्ग पर यातायात रोक दिया है। संबंधित सड़क रखरखाव एजेंसियों और जिला प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है, ताकि मौसम में सुधार होते ही सड़क से बर्फ हटाने का काम शुरू किया जा सके। इस बीच जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस ने यात्रियों और वाहन चालकों को सलाह दी है कि जब तक सड़क को आधिकारिक रूप से सुरक्षित घोषित नहीं किया जाता, तब तक इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें।

बंद मुट्ठी लाख़ की खुल गई तो ख़ाक की

वैश्विक सृष्टि की रचना जब अलौकिक शक्तियों से अलंकृत शक्ति ने की होगी तो, उसके अंश भारत पर विशेष कृपा, रहमत बरसाई होगी !और अद्भुत संस्कारों, सभ्यता मान सम्मान से ऐसी कौशलताओं की महक कर कृपादृष्टि बरसाई होगी कि भारत माता की मिट्टी में अद्भुत गुण समाहित हो गए और यहां जन्म लेने वाले हर जीव की देह में समाहित होकर बौद्धिक कौशलता से उपयुक्त गुणों की ज्योति पीढ़ी दर पीढ़ी जगाते रहते हैं जो, पीढ़ियों से हमारे बड़े बुजुर्गों को मिली और उसी वैचारिकता का हम लाभ उठा रहे हैं।आज हम उन वैचारिकताओं के एक अंश, बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर चर्चा करेंगे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि वैसे तो कहावतें बहुत हैं जैसे दाने- दाने को मोहताज, ढाक के तीन पात, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला, घर का भेदी लंका ढाए, बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो फिर खाक की सहित हजारों कहावतें हमें मिलेगी पर आज हम चर्चा इस उपरोक्त कहावत पर करेंगे। साथियों बात अगर हम इस कहावत की करें तो हमें पारिवारिक, सामाजिक, व्यसायिक, औद्योगिक, राजनीतिक सहित अनेक क्षेत्रों के संदर्भ में यह कहावत सटीक फिट होते हमारे व्यवहारिक जीवन में या या अन्यों के ऊपर लागू होते हम देखते रहते हैं मेरा मानना है कि उपरोक्त हर क्षेत्र में उनकी इस कहावत से उनकी अंदरूनी ताकत या बड़ी कमजोरियां निश्चित रूप से छिप जाती होगी, जिसे सार्वजनिक करना उनके लिए अति हानिकारक हो सकता है! क्योंकि हर क्षेत्र की अपनी अपनी रणनीतियां होती है, कुछ सीक्रेट से होते हैं, जिन्हें सार्वजनिक करना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने के बराबर होता है क्योंकि वह उनके लिए प्रतिष्ठा, साख, ताकत, रोब का काम करते हैं!हमारी मुट्ठी अगर बंद रहेगी तो हमारे सिवा किसी को यह कमजोरी पता नहीं चलेगी , कि उसमें क्या है! साथियों बात अगर हमआधुनिक परिपेक्ष में पारदर्शिता की करें तो यह इस कहावत की विरोधाभासी है! फिर भी इसे अपवाद के रूप में छूट है! क्योंकि वैश्विक स्तरपर रक्षा सहित उपरोक्त क्षेत्रों में अनेकों ऐसी बातें पारदर्शिता के दायरे से मुक्ति पाने की हकदार है इसलिए ही कानून विशेषज्ञ या जानकारों को मालूम होगा कि कानूनों में प्रोवीसो, बशर्ते, सिवाएं, अपवाद, छूट, लागू नहीं जैसे अनेकों शब्दों के बल पर कानूनी रूप से भी करीब-करीब सभी कानूनों में भी छूट रहती है? साथियों बात अगर हम, खुल गई तो फ़िर ख़ाक की, इसपर करें तो हम उसे उनकी हकीकत सामने आने के परिपेक्ष में देखते हैं, जो उपरोक्त हर क्षेत्र के लिए लागू है याने जो बात किसी को पता नहीं हो वह सबको पता चल जाती है जिससे उस क्षेत्र के, उस पक्ष की प्रतिष्ठा साख़ सहित सभी सकारात्मक स्थितियां नकारात्मकता में बदल जाती है जो उनकी बदहाली का कारण बनती है। परंतु हमें इस कहावत का अर्थ सकारात्मक में लेनें की ज़रूरत है। किसी गैर कानूनी या सृष्टि के किसी भी जीव को नुकसान या छल, धोखा पहुंचाने की दृष्टि से नहीं लेना चाहिए, यह नियम हर कहावत पर लागू होता है। साथियों बात अगर हम इस कहावत के उदय की एक पौराणिक कहानी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कुछ सज्जनों द्वारा यह कहानी डाली गई है कि, एक समय एक राज्य में राजा ने घोषणा की कि वह राज्य के मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए अमुक दिन जाएगा। इतना सुनते ही मंदिर के पुजारी ने मंदिर की रंग रोगन और सजावट करना शुरू कर दिया, क्योंकि राजा आने वाले थे। इस खर्चे के लिए उसने दस हज़ार रुपए का कर्ज लिया। नियत तिथि पर राजा मंदिर में दर्शन, पूजा, अर्चना के लिए पहुंचे और पूजा अर्चना करने के बाद आरती की थाली में एक रुपया दक्षिणा स्वरूप रखें और अपने महल में प्रस्थान कर गए। पूजा की थाली में एक रुपया देखकर पुजारी बड़ा नाराज हुआ, उसे लगा कि राजा जब मंदिर में आएंगे तो काफी दक्षिणा मिलेगी। बहुत ही दुखी हुआ कि कर्ज कैसे चुका पाएगा, इसलिए उसने एक उपाय सोचा।

ईरान पर हमलाः साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने ल?ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसेनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसेनिक मारे गए और जहाज डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया।

इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है।

अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आतंरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छे? दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पे?-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी। वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की 'स्वतंत्र विश्व' के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है।

ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नजरें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के जरिये ईरान के तेल पर अपना कब्जा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा।

इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्? वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के जरिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र खत्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी खत्म हो गईं।

अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करो? डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफगानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए। पूरे इलाके पर अपना दबदबा कायम करने के लिए अमरीका ने इराक पर हमले के लिए भी एक बहाना खोज लिया। कहा गया कि इराक के पास बड़े पैमाने पर नुकसान करने वाले हथियार हैं। अमरीकी सैनिकों को बताया गया कि इराक के लोग सद्दाम हुसैन के दमन का शिकार हैं और इसलिए इराक में उनका स्वागत मुक्तिदाताओं के रूप में किया जाएगा। अमरीकी सैनिकों को लोग गुलदस्ते और चॉकलेट देंगे। मगर हुआ और कुछ। इस्लामिक स्टेट उठ खड़ा हुआ, कोई महासंहारक अस्त्र नहीं मिला और ना ही सैनिकों का जनता ने स्वागत किया।

उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने उसके शिकार देशों और पूरी दुनिया को गहरे घाव दिए हैं। भारत में अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति ने सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत किया जिसके नतीजे हम आज भी भुगत रहे हैं। अमरीका के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द को गढ़ा और उसे लोकप्रियता दी। नतीजे में पूरी दुनिया में मुसलमानों का दानवीकरण हुआ। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के कारण पूरी दुनिया आज अनेक समस्यओं से जूझ रही है। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि दुनिया साम्राज्यवाद से असली चरित्र को समझेगी और शांति को बढ़ावा देगी।

- राम पुनियानी

(चिंतन-मनन)

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है। पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है। हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है। ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

पांच राज्यों में चुनावी बिगुल- चुनाव का पर्वऻम सबका गर्व- क्षेत्रीय दल बनाम राष्ट्रीय दल- सियासी संघर्ष- भारतीय लोकतंत्र के महाकुंभ का व्यापक विश्लेषण

चुनावी महाकुंभ- दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र जब चुनावी प्रक्रिया से गुजरता है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों की शक्ति का प्रतीक बन जाता है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में एक बार फिर चुनावी महापर्व का शंखनाद हो चुका है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही है कि सत्ता का निर्धारण जनता के मत से होता है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। इसी कड़ी में भारतीय चुनाव आयोग ने पांच महत्वपूर्ण राज्यों पश्चिम बंगाल तमिलनाडु,असम केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा कर दी है। इन चुनावों को केवल पांच राज्यों की सत्ता की लड़ाई के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय राजनीति,भविष्य की रणनीति और लोकतांत्रिक परिपक्वता का एक बड़ा संकेतक भी साबित होने जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनावी कार्यक्रम का विस्तृत ब्यौरा जारी किया गया, जिसके साथ ही पूरे देश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।घोषित कार्यक्रम के अनुसार पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा,जबकि मतगणना 4 मई को होगी। तमिलनाडु में एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को परिणाम घोषित होंगे।असम,केरल औरपुडुचेरी में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा और इन राज्यों के परिणाम भी 4 मई को सामने आएंगे। यह चुनाव कार्यक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि सभी राज्यों के नतीजे एक ही दिन घोषित होंगे, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में एक साथ बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।चुनाव आयोग के अनुसार इस बार लगभग 7.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और लगभग 2.18 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अकेले पश्चिम बंगाल में ही 80 हजार से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह आंकड़े भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की विशालता को दर्शाते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत में होने वाले चुनाव केवल राष्ट्रीय घटना नहीं होते बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें भी इन पर टिकी रहती हैं। दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र जब चुनावी प्रक्रिया से गुजरता है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों की शक्ति का प्रतीक बन जाता है। यही कारण है कि इन पांच राज्यों के चुनावों को एक प्रकार से चुनावी महाकुंभ कहा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावों के नतीजे केवल इन राज्यों की सरकारों को तय नहीं करेंगे बल्कि आने वाले वर्षों में भारत की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा को भी प्रभावित कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम क्षेत्रीय दल बनाम राष्ट्रीय दल- सियासी संघर्ष इस विशेष पहलू को समझने की करें तो इन चुनावों का सबसे बड़ा पहलू यह है कि तीनमहत्वपूर्ण राज्यों,पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में लंबे समय से क्षेत्रीय दलों का मजबूत वर्चस्व रहा है।इन राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ पार्टी अभी तक सत्ता में नहीं आ सकी है। इसके विपरीत असम में बीजेपी सत्ता में है और वह तीसरी बार सत्ता में लौटने कीकोशिश कर रही है, जबकि पुडुचेरी में भी वह दूसरी बार सरकार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।इस प्रकार यह चुनावक्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों और राष्ट्रीय दलों के बीच शक्ति संतुलन की परीक्षा भी माना जा रहा है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अग्निपरीक्षा को समझने की करें तो,पश्चिम बंगाल का चुनाव इस बार सबसे अधिक चर्चा में है।राज्य की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2011 से लगातार सत्ता में रहने के कारण इस बार उनके सामने सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है।यदि ममता बनर्जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनने में सफल होती हैं तो यह भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।दूसरी ओर बीजेपी राज्य में सोनार बांग्ला के नारे के साथ अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पार्टी के शीर्ष नेताओं का मानना है कि हिंदुत्व, विकास और भ्रष्टाचार के मुद्दों के आधार पर वह राज्य में मजबूत चुनौती पेश कर सकती है।पश्चिम बंगाल विधानसभा में कुल 294 सीटें हैं। पिछले चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं।कांग्रेस और वामपंथी दलों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा था।यही कारण है कि इस बार चुनावी गणित काफी दिलचस्प बन गया है। भाजपा की रणनीति यह है कि कांग्रेस और वाम दलों के

कमजोर होने से जो वोट बैंक खाली हुआ है, उसे अपने पक्ष में किया जाए। वहीं टीएमसी अपनी कल्याणकारी योजनाओं और मजबूत संगठन के आधार पर सत्ता बचाने की कोशिश कर रही है। साथियों बात अगर हम असम- सत्ता बरकरार रखने की चुनौती को समझने की करें तो,असम में राजनीतिक समीकरण कुछ अलग हैं।

यहां बीजेपी पहले से ही सत्ता में है और तीसरी बार सरकार बनाने के लिए प्रयासरत है।राज्य में कुल 126 विधानसभा सीटें हैं और पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने अपने संगठन को काफी मजबूत किया है। हालांकि विपक्षी दल भी गठबंधन के जरिए चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। असम का चुनाव इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की राजनीतिक पकड़ का यह एक बड़ा केंद्र बन चुका है।केरल वैचारिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र। साथियों बात अगर हम केरल भारतीय राजनीति का एक अनूठा उदाहरण है इसको समझने की करें तो यहाँ सत्ता अक्सर दो बड़े गठबंधनों के बीच बदलती रहती है। राज्य की राजनीति में वामपंथी दलों और कांग्रेस केनेतृत्व वाले गठबंधन का प्रभाव लंबे समय से बना हुआ है। यहां भाजपा अभी तक सत्ता के करीब नहीं पहुंच सकी है। 140 सीटों वाली केरल विधानसभा में इस बार भी मुख्य मुकाबला पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवों के बीच ही देखने को मिल सकता है। हालांकि भाजपा अपने संगठन के विस्तार के माध्यम से यहां धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। साथियों बात कर हम तमिलनाडु त्रिकोणीय मुकाबले कीसंभावना को समझने की करें तो, तमिलनाडु का चुनाव इस बार बेहद रोचक माना जा रहा है। यहां 234 सीटों वाली विधानसभा में मुख्य मुकाबला परंपरागत रूप से द्रविदा मुन्नेत्र क?हगाम और आल इंडिया अन्ना द्रविदा मुन्नेत्र क?हगाम के बीच होता रहा है। वर्तमान में स्टालीन के नेतृत्व में डीएमके सत्ता में है और वह अपनी सरकार को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। लेकिन इस बार राजनीतिक समीकरण इसलिए भी बदल गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध अभिनेता विजय ने अपनी पार्टी तमिलेगा वैटरी कहगाम बनाकर राजनीति में प्रवेश कर लिया है।अभिनेता विजय की राजनीति और संभावित गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता विजय का प्रवेश चुनावी समीकरणों को काफी हद तक बदल सकता है। उनके प्रशंसकों की संख्या बहुत अधिक है और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि उनका वोट बैंक किसी भी गठबंधन के साथ जाता है तो वह कई सीटों पर परिणाम को प्रभावित कर सकता है। सूत्रों के अनुसार भाजपा विजय की पार्टी को अपने गठबंधन में शामिल करने की कोशिश कर रही है और उन्हें उपमुख्यमंत्री पद सहित कई आकर्षक प्रस्ताव भी दिए जा सकते हैं। यदि यह गठबंधन सफल होता है तो तमिलनाडु की राजनीति में एक सटीक नया अध्याय शुरू हो सकता है।

साथियों बात अगर हम पुडुचेरी छोटे राज्य में बड़ी लड़ाई इसको समझने की करें तो 30 सीटों वाली पुडुचेरी विधानसभा का चुनाव भले ही आकार में छोटा हो, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से यह भी महत्वपूर्ण है। यहां राष्ट्रीय दलों और क्षेत्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। इस बार भी सत्ता में वापसी के लिए कई दल सक्रिय रणनीति बना रहे हैं। छोटे राज्यों के चुनाव अक्सर बड़ेराजनीतिक संकेत देते हैं और पुडुचेरी का चुनाव भी उसी श्रेणी में रखा जा सकता है। साथियों बात अगर हम मतदाता और लोकतांत्रिक सहभागिता इसको समझने की करें तो,इस चुनाव में लगभग 7.4 करोड़ मतदाता भाग लेंगे,जो भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का प्रमाण है। चुनाव आयोग ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान में भाग लें और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेंलोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक सक्रिय रूप से चुनावी प्रक्रिया में भाग लेते हैं।यही कारण है कि चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाता रहा है इस चुनाव में मतदाता सूची को लेकर भी कुछ विवाद सामने आए हैं। एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत लाखों वोट हटाए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिस पर कई राजनीतिक दलों ने चिंता व्यक्त की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं, जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची को पारदर्शी और अद्यतन बनाने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। साथियों बात कर हम राजनीतिक रणनीतियां और चुनावी मुद्दे इसको समझने की करें तो हर चुनाव की तरह इस बार भी विभिन्न दल अपने-अपने मुद्दों के साथ मैदान में उतर रहे हैं।कहीं विकास और कल्याणकारी योजनाओं को मुद्दा बनाया जा रहा है तो कहीं पहचान की राजनीति और क्षेत्रीय अस्मिता को।पश्चिम बंगाल में नागरिकता और पहचान से जुड़े मुद्दे चर्चा में हैं, जबकि तमिलनाडु में क्षेत्रीय गौरव और सामाजिक न्याय की राजनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। केरल में वैचारिक राजनीति और विकास मॉडल प्रमुख मुद्दे बन सकते हैं, जबकि असम में राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की राजनीति प्रमुखसटीकविषय बन सकती है।

साथियों बात अगर हम चुनाव और राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव को समझने की करें तो इन पांच राज्यों के चुनावी परिणाम केवल राज्य सरकारों को ही निर्धारित नहीं करेंगे बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि राष्ट्रीय दल इन राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल होते हैं तो आने वाले वर्षों में उनकी रणनीति और भी आक्रामक हो सकती है। वहीं यदि क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखते हैं तो यह भारतीय राजनीति में संघीय ढांचे की मजबूती का संकेत होगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकतंत्र की शक्ति और जनता का निर्णय,लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। राजनीतिक दल चाहे कितनी भी रणनीति बनाएं,अंतिम फैसला मतदाता ही करते हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की यही सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां सत्ता का स्रोत जनता है। आने वाले चुनावों में भी यही सिद्धांत लागू होगा।4 मई को जब मतगणना के बाद परिणाम सामने आएंगे, तब यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसे सत्ता सौंपी है। लेकिन इतना तय है कि यह चुनाव केवल पांच राज्यों की सत्ता का संघर्ष नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, विविधता और जीवंतता का एक और भव्य उदाहरण साबित होगा।

-किशन सनमुखदास भावनानी

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं, रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कर रही काम

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में एलपीजी की किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और भारी पैनिक बुकिंग के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हालांकि, खाड़ी देशों में जारी युद्ध और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में पैदा हुए गतिरोध की वजह से सप्लाई चेन पर दबाव जरूर पड़ा है, लेकिन सरकार ने घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता पर रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुजाता ने कहा कि युद्ध की खबरों के बीच आम जनता में इस बात का डर है कि आने वाले दिनों में सिलेंडर नहीं मिलेंगे। इसी घबराहट में लोग जरूरत न होने पर भी सिलेंडर बुक करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक युद्ध से पहले रोज करीब 55 लाख सिलेंडर बुक होते थे और करीब 50 लाख की डिलीवरी होती थी, लेकिन यह आंकड़ा बढ़कर 75 लाख हो गया और अब 88 लाख तक पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसे पूरी तरह 'पैनिक बुकिंग' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने साफ किया है कि बुकिंग पर कुछ नियम लागू हैं ताकि स्टॉक का प्रबंधन सही से हो सके। शहरी क्षेत्रों में एक सिलेंडर मिलने के बाद अगली बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। वहीं ग्रामीण इलाकों में यह समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इस तय समय से पहले सिस्टम बुकिंग नहीं लेगा, इसलिए उपभोक्ताओं को बार-बार प्रयास करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। सप्लाई के दबाव का फायदा उठाकर कुछ लोग सिलेंडर की जमाखोरी और ब्लैक-मार्केटिंग में जुट गए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने देशभर में सख्त अभियान छेड़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने तेल कंपनियों के साथ मिलकर छापेमारी शुरू कर दी है। अकेले यूपी में प्रशासन ने 1400 से ज्यादा ठिकानों का निरीक्षण किया है, जिसमें 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई है। महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी संयुक्त टीमें लगातार डिस्ट्रीब्यूटरों और रिटेल आउटलेट्स की जांच कर रही हैं। एक ही दिन में तेल कंपनियों की टीमों ने देशभर में करीब 1300 जगहों पर चेकिंग की। सरकार का लक्ष्य यह तय करना है कि जो स्टॉक उपलब्ध है, वह सीधे जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक पहुंचे न कि बिचौलियों के गोदामों में। चूंकि भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60फीसदी और कच्चे तेल का 88फीसदी आयात करता है, इसलिए मौजूदा भू-राजनीतिक हालात ने सप्लाई को प्रभावित किया है। इस कमी को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन में भारी बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने पिछले कुछ दिनों में घरेलू उत्पादन को 31फीसदी तक पहुंचा दिया है।

ईरान युद्ध से फूड डिलीवरी, कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग सेक्टर भी हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब शेयर बाजारों पर भी देखने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध की आशंका और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। पहले जहां चिंता केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित मानी जा रही थी, वहीं अब इसके प्रभाव का दायरा बढ़ रहा है। फूड डिलीवरी कंपनियों से लेकर कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग तक कई सेक्टर संभावित सप्लाई बाधाओं और बढ़ती लागत के दबाव में आ सकते हैं। दरअसल, युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक शेयर बाजारों में करीब 5.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट 2022 के बाद किसी एक महीने में सबसे बड़ी मानी जा रही है। एशियाई बाजारों पर इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया है। निवेशकों को डर है कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई फिर से बढ़ सकती है और युद्ध पर होने वाला खर्च कई देशों के बजट घाटे को भी बढ़ा सकता है। बाजार में बढ़ती अनिश्चितता से ट्रेडर्स ने अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद को भी आगे खिसका दिया है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि अगली बड़ी दर कटौती संभवत: 2027 के बीच तक ही हो पाएगी। इस बदलाव ने भी वैश्विक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित किया है। युद्ध के कारण सबसे पहले असर एयरलाइंस और शिपिंग कंपनियों पर पड़ा है। तेल की कीमतें बढ़ने से विमानन कंपनियों की ईंधन लागत बढ़ जाती है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव आता है। इसी तरह समुद्री परिवहन कंपनियों के लिए भी ऑपरेशन महंगे हो जाते हैं और व्यापारिक मार्गों में जोखिम बढ़ जाता है। इसके विपरीत रक्षा और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। युद्ध और तनाव के दौर में रक्षा उपकरणों की मांग बढ़ने की संभावना रहती है, जिससे रक्षा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिलता है। वहीं तेल और गैस कंपनियां भी ऊंची कीमतों का लाभ उठा सकती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अमेरिका ने उस खर्ग द्वीप पर बड़ा हमला किया, जहां से ईरान के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा निर्यात होता है। इस घटना के बाद मध्य पूर्व क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो वैश्विक तेल और गैस बाजार में आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है। इसी वजह से निवेशकों की नजर अब उन सेक्टरों पर भी जा रही है जिन्हें पहले इस संकट से ज्यादा प्रभावित नहीं माना जा रहा था। सेमीकंडक्टर कंपनियां और कपड़ा उद्योग भी जोखिम में आ सकते हैं। हीलियम जैसी गैसों की कमी से चिप निर्माण प्रभावित हो सकता है, जबकि कच्चे माल की कीमत बढ़ने से कपड़ा कंपनियों की लागत बढ़ सकती है।

घर में पीएनजी कनेक्शन है तो सरेंडर करना होगा एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारत में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसी स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने 14 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा कि जिन घरेलू उपभोक्ताओं के पास पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी कनेक्शन है, वे अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे और न ही उसका रिफिल ले सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों के पास पहले से पीएनजी कनेक्शन के साथ एलपीजी कनेक्शन भी है, उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ता सरकारी तेल कंपनियों या उनके वितरकों से एलपीजी सिलेंडर की नई बुकिंग या रिफिल नहीं कर पाएंगे।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारतीय रूपए में गिरावट का असर

मुंबई। एजेजी। भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट की बिकवाली लगातार जारी है। मार्च के शुरुआती दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू इक्विटी बाजार से 52,704 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह बिकवाली ऐसे समय में हुई है, जब मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है और कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। इससे पहले फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने बाजार में 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर था। लेकिन मार्च की शुरुआत से ही विदेशी निवेशक हर ट्रेडिंग दिन पर नेट सेलर्स बने हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस भारी बिकवाली के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज रूट में सप्लाई प्रभावित होने के डर से ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चला गया है। इससे निवेशकों ने

जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए के 92 के स्तर के पार पहुंचना और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने भी दबाव बनाया है। हालांकि, निवेशकों ने टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, मेटल्स और केमिकल्स जैसे सेक्टर्स में अपना निवेश बढ़ाया है, जो यह दर्शाता है कि पैसा अब डोमेस्टिक वैल्यू और कमोडिटी शेयरों की ओर शिफ्ट हो रहा है।

चीन के बाजार में पैसा लगा रहे निवेशक

पिछले 18 महीनों में भारतीय बाजार ने विकसित और अन्य उभरते बाजारों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है। इस वजह से विदेशी निवेशकों का रुझान भारत के प्रति कम हुआ है। उनके अनुसार, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन इस समय भारत की तुलना में ज्यादा आकर्षक लग रहे हैं, क्योंकि हालिया गिरावट के बाद वहां वैल्युएशन सस्ता है और कॉर्पोरेट अर्निंग की संभावनाएं बेहतर दिख रही हैं। विदेशी निवेशकों की फाइनेंशियल और बैंकिंग शेयरों में की गई बिकवाली ने इन सेक्टर की वैल्युएशन को काफी नीचे ला दिया है। जानकारों का कहना है कि जहां विदेशी निवेशक बाहर निकल रहे हैं।

एआई में बढ़ते दबाव को संतुलित करने मेटा 20 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी!

नई दिल्ली। एजेंसी। दुनिया की प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी मेटा अपने खर्च को नियंत्रित करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में बढ़ते निवेश के दबाव को संतुलित करने के लिए बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छटनी करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी संभावित रूप से अपने वैश्विक कार्यबल का करीब 20 फीसदी तक कम कर सकती है। यदि ऐसा होता है तो करीब 16 हजार कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं। कंपनी के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक मेटा में करीब 79 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। मेटा दुनिया के लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का संचालन करती है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने भविष्य को एआई आधारित तकनीकों के साथ जोड़कर देख रही है। मेटा का मानना है कि एआई आधारित टूल्स आने वाले समय में कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही कई कार्यों में कम कर्मचारियों की जरुरत रह जाएगी। इसी वजह से कंपनी अपनी संचालन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए कर्मचारियों की छटनी करने वाले विकल्पों पर विचार कर रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और न ही इसके लिए कोई समयसीमा तय की है। सूत्रों के मुताबिक मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में कंपनी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ संभावित छंटनी के विषय पर चर्चा की। अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने-अपने विभागों में कामकाज को ज्यादा सुव्यवस्थित बनाने के उपाय तलाशें।

बाजार में गिरावट से घबराएं नहीं, जारी रखें एसआईपी निवेश-विशेषज्ञ

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स करीब 1.93 प्रतिशत गिरकर 74,563.92 पर बंद हुआ, जिसमें 1,470.50 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। ऐसे समय में निवेशकों के मन में सवाल उठता है कि क्या एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) जारी रखनी चाहिए या इसे रोक देना बेहतर है। निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार गिरावट में घबराकर लिए गए फैसले अक्सर सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। एक बाजार निवेश विशेषज्ञ के अनुसार जब बाजार में तेज गिरावट आती है, तो कई निवेशक घबरा जाते हैं। वे या तो अपने निवेश बेच देते हैं या एसआईपी बंद कर देते हैं। उनका कहना है कि यह गलत निर्णय है। गिरते बाजार में वही एसआईपी राशि ज्यादा यूनिट खरीदती है, और जब बाजार सुधरता है, तो निवेशकों को इसका फायदा होता है। उनके मुताबिक एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत रुपया लागत औसत है। बाजार निवेशक बताते हैं कि जब कोई निवेशक हर महीने तय राशि निवेश करता है, तो वह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश करता है। कीमतें कम होने पर ज्यादा यूनिट और कीमतें ज्यादा होने पर कम यूनिट मिलती हैं, जिससे समय के साथ निवेश की औसत लागत कम होती है। उनका मानना है कि एसआईपी का उद्देश्य बाजार का समय तय करने की कोशिश न करना और नियमित निवेश करना है। बाजार ?निवेशकों के अनुसार बाजार गिरावट के समय निवेशकों की कुछ आम गलतियां सामने आती हैं। सबसे बड़ी गलती है घबराकर निवेश बेच देना। जब निवेश की कीमत अचानक गिरती है तो कई निवेशक डरकर नुकसान में ही निवेश बेच देते हैं। दूसरी गलती है एसआईपी बंद कर देना। इससे निवेशक कम कीमत पर निवेश करने का मौका खो देते हैं। तीसरी गलती है एक साथ बड़ी रकम निवेश करना। कई निवेशक गिरते बाजार को देखकर अचानक बड़ी रकम लगा देते हैं।

आज का राशिफल

मेष- मेष राशि वालों के चारों ओर आज का वातावरण काफी खुशनुमा रहेगा और कोई सुखद समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे आपका आत्मविश्वास और मजबूत होगा। संतान की पढ़ाई से जुड़ी जो परेशानियां कुछ समय से चल रही थीं, उन्हें आप बातचीत और समझदारी से सुलझाने की कोशिश करेंगे। हालांकि अपनी सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहना जरूरी रहेगा।

वृषभ- वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन सुखद अनुभव देने वाला रहेगा। जो लोग रोजगार को लेकर परेशान चल रहे थे, उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। हालांकि धन कमाने के लिए गलत रास्ते अपनाने से बचना होगा और हर काम पूरी समझदारी से करना होगा।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों को आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। पैसों से जुड़े किसी भी निर्णय को सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा और यदि धन उधार लेने की नौबत आए तो भी बहुत सोच-विचार के बाद ही कदम उठाएं। कहीं आने-जाने या घूमने के दौरान आपको कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

कर्क- कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी को नई नौकरी या बेहतर अवसर मिलने की संभावना भी बन सकती है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में जो रुकावटें आ रही थीं, वे किसी मित्र की मदद से दूर हो सकती हैं। हालांकि आपको अपने आसपास के लोगों को पहचानने की जरूरत होगी, क्योंकि हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति सच्चा मित्र नहीं होता।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन मान-सम्मान में वृद्धि का संकेत दे रहा है। समाज और कार्यक्षेत्र दोनों जगह आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। हालांकि कोई बड़ी डील अंतिम समय में अटक सकती है, जिससे थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन कोई अधूरा काम पूरा होने से आपको संतोष भी मिलेगा।

कन्या- कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन भाग्य के लिहाज से अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी का साथ और सहयोग आपको मानसिक मजबूती देगा। संतान के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन सही दिशा में प्रयास करने से सब ठीक हो जाएगा। अपने कामों में समझदारी और सूझबूझ दिखाना आज बेहद जरूरी रहेगा।

तुला- तुला राशि वालों के लिए आज का दिन लंबे समय से अटके हुए कामों को पूरा करने का अवसर लेकर आएगा। पेट से जुड़ी किसी समस्या को लेकर लापरवाही न करें और जल्दबाजी से बचें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी कठिनाई महसूस हो सकती है, लेकिन धैर्य से आगे बढ़ने पर स्थिति सुधर जाएगी।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों को आज आर्थिक मामलों पर खास ध्यान देने की जरूरत है। बढ़ते खर्चों को संतुलित रखने के लिए योजना बनाकर चलना जरूरी होगा। आप अपने शौक और सुविधाओं पर अच्छा खर्च कर सकते हैं और घर के नवीनीकरण का काम भी शुरू हो सकता है। हालांकि माता जी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, क्योंकि उनका कोई पुराना रोग फिर से परेशान कर सकता है।

धनु- धनु राशि के लिए आज का दिन संयम और धैर्य के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। किसी भी काम में जल्दबाजी दिखाने से बचना जरूरी होगा। पिताजी की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। संतान की इच्छा पूरी करने के लिए आप नया वाहन खरीदने का विचार भी कर सकते हैं।

मकर- मकर राशि वालों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। आप अपनी बुद्धिमत्ता और समझदारी से कुछ नए निर्णय लेकर नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी आवश्यकताओं और जिम्मेदारियों पर ध्यान देना जरूरी होगा। स्वभाव की कुछ उलझनों के कारण मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होने से मन हल्का और प्रसन्न हो जाएगा।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने वाला रहेगा। आप अपने फैसलों के बल पर कई कामों में सफलता हासिल कर सकते हैं। किसी जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिले तो जरूर आगे आएं, इससे आपको मानसिक संतोष मिलेगा। परिवार के भीतर चल रही किसी उलझन को भी आप मिल-बैठकर सुलझाने में सफल हो सकते हैं। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई अवसर सामने आ सकता है, जिसके लिए आपको लोन लेने की जरूरत भी पड़ सकती है।

मीन- मीन राशि वालों को आज अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि कोई समस्या महसूस हो तो उसे नजरअंदाज न करें। कोई व्यक्ति आपको बहलाने-फुसलाने की कोशिश कर सकता है, जिससे नुकसान होने की संभावना है, इसलिए व्यापार में किसी अजनबी के साथ जल्दबाजी में कोई सौदा तय करने से बचना चाहिए। प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रह सकता है और कोर्ट से जुड़ा कोई मामला उनके पक्ष में आने से उन्हें बड़ी राहत मिल सकती है। किसी से वादा करने से पहले भी अच्छी तरह सोच-समझ लेना ही बेहतर रहेगा।

शब्दजाल - 8199

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	ख़ू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भ	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 8198 का हल

बं	नि	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7143

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7142

सं	न्या	सी	■	ह	मे	शा	■	खौ	फ
ध्या	■	मा	सू	म	■	र	क्षा	■	र्ज
■	रे	■	र	■	सौ	दा	■	त्रि	■
ना	जा	य	ज	■	त	■	श्री	दे	वी
ग	■	की	■	जा	न	म	■	व	■
म	हा	न	■	गृ	■	द	म	■	मा
णि	■	■	प्र	ति	का	र	■	ज	या
■	फ	र	हा	■	लि	■	■	मा	■
गॅ	की	■	र	जि	या	सु	ल्ता	न	■
■	रा	खी	■	स्म	■	र	■	त	ब्बू

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 75 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वादशी 09.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा अहोरात्र।
योग शिव 09.37 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 09.41 बजे तदनन्तर गर 21.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872650
जूलियन दिन 2461115.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	06.08 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	07.39 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.19 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.17 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.30 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.47 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.58 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.09 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.24 ब.से
राहुकाल		धनु	00.40 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	02.45 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.31 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः समय का उपयोग

एक दिन एक व्यक्ति किसी महात्मा के पास पहुंचा और कहने लगा, 'जीवन अल्पकाल का है। इस थोड़े समय में क्या-क्या करूं? बचपन में ज्ञान नहीं होता। युवावस्था में गृहस्थी का बोझ होता है। बुढ़ापा रोगग्रस्त और पीड़ादायक होता है। तब भला ज्ञान कैसे मिले? लोक सेवा कब की जाए?' यह कहकर वह रोने लगा। उस रोते देख महात्मा जी भी रोने लगे। उस आदमी ने पूछा, 'आप क्यों रोते हैं?' महात्मा ने कहा, 'क्या करूं, खाने के लिए अन्न चाहिए। लेकिन अन्न उपजाने के लिए मेरे पास जमीन नहीं है। परमात्मा के एक अंश में माया है। माया के एक अंश में तीन गुण है। गुणों के एक अंश में आकाश है। आकाश में थोड़ी सी वायु है और वायु में बहुत आग है। आग के एक भाग में पानी है। पानी का शतांश पृथ्वी है। पृथ्वी के आधे हिस्से पर पर्वतों का कब्जा है। जमीन पर जहां देखो नदियां बिखरी पड़ी हैं। मेरे लिए भगवान ने जमीन का एक नन्हा सा टुकड़ा भी नहीं छोड़ा। थोड़ी सी जमीन थी उस पर भी दूसरे लोगों ने अधिकार जमा लिया। तब बताओ, मैं भूखा नहीं मरूंगा।' उस व्यक्ति ने कहा, 'यह सब होते हुए भी आप जीवित तो हैं न। फिर रोते क्यों हैं?' महात्मा ने तुरंत उत्तर दिया, 'तुम्हें भी तो समय मिला है, बहुमूल्य जीवन मिला है, फिर समय न मिलने की बात कहकर क्यों हाय-हाय करते हो। अब आगे से समयाभाव का बहाना न करना। जो कुछ भी है, उसका उपयोग करो, उसी में संतोष पाओ। संसार में हर किसी ने सीमित समय का सदुपयोग करके ही सब कुछ हासिल किया है।'

सूडोकु नवताल- 7452

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7451 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8667

बाएँ से दाएँ

1. जी,इच्छा,चित्त-2
2. तन,बदन,देह-3
4. अग्निदग्ध-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा,सम्राट-3
10. वचन,प्रतिज्ञा-3
11. तरंग,हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सद्पुरुष-2
16. पाठ,शिक्षा-3
17. कर्ता,कार्य करने वाला-3
18. इज्जत,मान,सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन,प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन,लेखनी-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय,वोट,अभिप्राय-2
2. लाज.लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया,जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध,नाजायज-3
7. निगाह,दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम,मदद-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. लगन,जिद,उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान,तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी,इच्छा,चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह,बदन-2

शब्द पहेली -8666 का हल

सा	ध	■	प	ना	ह	■	शा	न
त	र	ह	■	क	ब	च	■	शा
■	ती	र	थ	■	स	प	ना	■
घ	■	म	का	न	■	ल	च	क
रा	ख	■	न	ज	र	■	ना	म
ना	र	द	■	ला	क	र	■	र
■	ल	ह	र	■	म	वा	ली	■
रा	■	न	क	ल	■	ना	प	ना
ज	रा	■	म	त	ली	■	ना	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्यालय में शासकीय कार्यालयों तक पहुंच मार्गों की बदहाली

वर्षों से उपेक्षित समस्या, अधिकारी-जनता दोनों परेशान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में ऐसे अनेकों शासकीय कार्यालय है जहां रोजाना लोगो का आवागमन बना रहता है लेकिन कार्यालयों तक पंहुचने के लिये सुगम मार्ग का अभाव विगत कई वर्षो से नजर आ रहा है। जिसका ना तो सुधार कार्य किया जाता है और ना ही नवीनीकरण किया जाता है जिसके चलते शासकीय कार्यालयों में पंहुचने के लिये शासकीय अधिकारी कर्मचारियों को तो परेशानी होती ही है लेकिन आम जनता भी इस परेशानी से अछुती नही है। बात कि जाये व्यवस्थिती करण कि लांजी मुख्यालय का अति व्यस्ततम अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय जहां लगभग 5 से अधिक शासकीय कार्यालय स्थापित है। इस कार्यालय को ही देखा जाये तो यहां व्यवस्था स्वयं पर आंसु बहाते नजर आती है। हालांकि संपूर्ण क्षेत्र बाउण्ड्री वॉल की जद में है लेकिन अन्दर प्रवेश करते ही आपको उबड़-खाबड़ मार्ग दिखाई देगा। जबकि इस संपूर्ण क्षेत्र को व्यस्थित किया जा सकता है। क्षेत्र में पेवर ब्लॉक आदि लगाकर समतलीकरण किया जा सकता है उद्यानिकी कार्य इस स्थान पर किया जा सकता है ताकि आने लोगो को प्रतिक्षा करने में एक एक व्यवस्थित वातावरण मिल सके लेकिन आज दिनांक तक इस ओर किसी भी अधिकारी के द्वारा ध्यान नही दिया गया है जैसा चल रहा वैसा चलने दो की तर्ज पर यह स्थल देखा जा सकता है। इसी से लगा हुआ विद्युत विभाग का कार्यालय है इस मार्ग की तो अपने आप में एक अलग ही गाथा है जानकारों के मुताबिक लगभग 50 वर्षो से अधिक समय बीत चुका है लांजी विद्युत विभाग पंहुच मार्ग का निर्माण आज दिनांक तक नही किया गया है उपभोक्ताओं वर्तमान मे तो परेशानियॉ होती ही है पंहुचने के लिये लेकिन वर्षा काल में तो इस कार्यालय में जाया ही नही जा सकता। अब यह तो ज्ञात नही है कि क्या आज तक इस मार्ग के निर्माण किये जाने की पहल की गई जबकि क्षेत्र के जवाबदार अधिकारी, जनप्रतिनिधि सभी को इस मार्ग की आवश्यकता पड़ती होगी। यह भी समझ से परे है कि आज दिनांक जवाबदार जनप्रतिनिधियों ने इस मार्ग के निर्माण किये जाने की सुध क्यो नही ली गई। जबकि क्षेत्र में सड़को का जाल बिछाया गया है लेकिन लगभग 50 वर्षो से प्रतिक्षारत इस महज 300 से 400 मीटर सड़क का निर्माण कार्य आज दिनांक तक नही हो पाया है। वर्तमान में नवीन पुलिस थाना भवन का भी निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा नवीन स्थान पर पुलिस थाना संचालन भी प्रारंभ हो चुका है लेकिन पुलिस थाना पहुंच मार्ग का भी निर्माण कार्य किया जाना बाकि है क्योंकि आगामी समय में वर्षा काल में लोगो को पुलिस थाना पंहुचने में अनेकों प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ेगा इस समस्या को देखते हुये जल्द से जल्द पुलिस थाना पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य किया जाना आवश्यक है। इसी कड़ी में ऐसे अनेकों शासकीय भवन भी है जो कि जर्जर श्रेणीयों में पंहुचने लगे है, इसके अलावा शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के लिये आवास की व्यवस्थाऐ नगण्य है इन सभी विषयो पर भी जिला कलेक्टर महोदय को ध्यान देना चाहिये तथा लांजी मुख्यालय में सुगम पहुंच मार्ग कार्यालयों हेतु, नवीन शासकीय भवनों का निर्माण तथा नवीन आवास निर्माण अतिशिघ्र किया जाना चाहिये ताकि अधिकारी कर्मचारी लांजी मुख्यालय में निवास कर सके तथा और भी अधिक सुगमता से क्षेत्र के लोगो का कार्य संपादन किया जा सके।

बिसोनी में चैत्र नवरात्रि पर श्रीमद देवी भागवत महापुराण का भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। समीपस्थ ग्राम बिसोनी में हरदेव लोधी करहे परिवार द्वारा कुलदेवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीमद देवी भागवत महापुराण का सप्ताहव्यापी भव्य पाठ आयोजित किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 19 मार्च 2026 दिन गुरुवार से 26 मार्च 2026 दिन गुरुवार तक चलेगा, जो चैत्र नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति का विशेष अवसर साबित होगा। श्रीमद देवी भागवत महापुराण की कथा प.पू. साध्वी कृष्णेश्वरी देवी जी के मुखारविंद से सम्पन्न होगी तथा प्रतिदिन कथा समाप्ति के पश्चात प्रसाद वितरण का विशेष आयोजन रहेगा।कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक करहे परिवार कुलदेवी मंदिर परिसर, बीएड कॉलेज के सामने आमगांव रोड, बिसोनी (लांजी) में आयोजित होगा। कार्यक्रम के तहत गुरुवार, 19 मार्च 2026 — कलश यात्रा एवं कथा महिमा के क्रम में स्यमन्तक मणि एवं रेवती नक्षत्र की कथा।शुक्रवार, 20 मार्च 2026 — मधु कैटभ वध, जनक-शुकदेव संवाद, संक्षिप्त महाभारत, त्रिदेवी प्रादुर्भाव। शनिवार, 21 मार्च 2026 — राजा सुदर्शन-शशिकला की कथा, श्री राम देवी आराधना, श्री कृष्ण अवतार। रविवार, 22 मार्च 2026 — महिषासुर जन्म, कालिका अवतार, राजा सुरथ-समाधि वैश्य पर कृपा। सोमवार, 23 मार्च 2026 — नहुष, निमि चरित्र, हयग्रीव अवतार, नारद-विष्णु संवाद। मंगलवार, 24 मार्च 2026 — सुकन्या चरित्र, राजा हरिश्चन्द्र चरित्र, शताक्षी अवतार, श्री पार्वती जन्म। बुधवार, 25 मार्च 2026 — गंगा उत्पत्ति की कथा, सावित्री चरित्र, लक्ष्मी अवतार, षष्ठी व मनसा देवी उपाख्यान के साथ कथा को विश्राम दिया जाएगा।गुरुवार, 26 मार्च 2026 — हवन, पूर्णाहुति उपरांत प्रसाद वितरण विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। आयोजक करहे परिवार ने सभी भक्तों से इस पवित्र अवसर पर उपस्थित होकर माँ की कृपा प्राप्त करने और परिवार की इस धार्मिक पहल को सफल बनाने कीअपील की है।

टेडवा में नवरात्र पर्व पर श्रीमद देवी महापुराण सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्रान्तग्रत ग्राम पंचायत टेड़वा में नवरात्रा के पावन अवसर पर ग्राम वासियों के द्वारा आध्यात्मिक श्रीमद देवी महापुराण का आयोजन 19 मार्च से 27 मार्च तक दुर्गा चौक टेड़वा में किया जा रहा है। संपूर्ण कथा का वाचन सुश्री निकीता किशोरी जी के मुखारविन्द से किया जायेगा। इस संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठन के संबध में आयोजन समिति ने बताया कि सर्वप्रथम 19 मार्च को प्रातः 9 बजे से कलश शोभा यात्रा ग्राम भ्रमण, तथा रोजाना कथा का वाचन जिनमें 19 मार्च 2026 को माँ शैलपूत्री देवी कथा, 20 मार्च को माँ ब्रम्हचारिणी देवी कथा, 21 मार्च को माँ चन्द्रघंटा देवी कथा, 22 मार्च को माँ कुष्मान्डा देवी कथा, 23 मार्च को माँ स्कन्दमाता देवी कथा, 24 मार्च को माँ कात्यायनी देवी कथा, 25 मार्च को माँ कालरात्रि देवी कथा, 26 मार्च को माँ महागौरी देवी कथा। शुक्रवार 27 मार्च को माँ सिद्धीदात्री देवी कथा आयोजित की जावेगी। 21 मार्च को प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह तथा रोजना यज्ञ पूजन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक। संपूर्ण कथा का समापन 27 मार्च का हवन यज्ञ एवं पूर्णाहूति तथा महाप्रसाद वितरण कर किया जायेगा। संपूर्ण कार्यक्रम के संरक्षक श्री हनुमंतलाल जी महाराज तथा आयोजन समिति समस्त ग्राम वासी टेड़वा। उक्त संपूर्ण आयोजन में धर्म प्रेमी गणो से उपस्थिती तथा कथा का श्रवण पान करने की अपील समिति के द्वारा की गई है।

म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी /कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की आवश्यक बैठक श्यामलाल पाण्डेय की अध्यक्षता में 15 मार्च को पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई। बैठक में प्रति माह दूसरे रविवार को संघ की बैठक आहूत किए जाने, संघ के कार्यालय की साफ-सफाई एवं बैठक व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही वन अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, सेवा निवृत्त समस्त अधिकारी, कर्मचारी, मजदूर आदि को नये सदस्य बनाए जाने तथा उनकी की समस्याओं के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चोरवाड़े, बाबूलाल पारधी, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, बुधराम नारनौरे, घनश्याम विजयवार, ओंकारलाल रामटेककर, देवीचंद येरपुड़े, नेतराम लटारे, सुखदेव पारधी, यशवंतराव सोनवाने आदि सेवा निवृत्त अधिकारी /कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

पेंशनर्स एसोसिएशन सेक्टर देवलगांव में मनाया होली मिलन समारोह

देवलगांव सेक्टर की कार्यकारिणी का किया मनोनयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के द्वारा 11 मार्च से 18 मार्च तक सभी सेक्टरों में बैठक कर होली मिलन के साथ ही सेक्टर की कार्यकारिणी का मनोनयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 मार्च को देवलगांव सेक्टर की बैठक संदीप मेडिकल स्टोर के भवन में सहसराम हरिनखेड़े की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मां सरस्वती पूजन उपरांत सभी पेंशनरों का गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर देवलगांव सेक्टर का नवगठन कर पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सहसराम हरिनखेड़े, उपाध्यक्ष बालचंद चौधरी, श्रीमती सुशीला चौधरी, सचिव जगनलाल चौधरी, सहसचिव लुकराम चौधरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण बागड़े एवं सदस्यों का समावेश किया गया। बैठक के अंत में छोटेलाल ढोक के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष एस आर ठाकरे, सचिव आई एस चौहान, एन एल बसेना, बी आर ढोक, बलवंत बछे, सुशीला चौधरी, सुनीता ढोक, चंद्रभागा मेश्राम, एस आर धारणे, एच आर रहांगडाले, सीतूलाल टेंभरे, जी एल दमाहे आदि पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ हुई भगवान राधा कृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत जराही के नव निर्मित सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर मे दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है ।दो दिवसीय इस कार्यक्रम के अवसर पर आज प्रथम दिन 14 मार्च दिन शनिवार को प्रात: 9 बजे भगवान राधा कृष्ण की शोभा यात्रा ग्राम मे भ्रमण कर जगह जगह पूजन किया गया। इस दौरान शोभायात्रा मे शामिल लोगो ने डीजे के धुनों पर खूब नृत्य किया। ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा भगवान राधा कृष्ण का पूजन कर रैली मे शामिल लोगो को जलपान कराया। वही 15 मार्च दिन रविवार को प्रात: 10 बजे हवन पूजन कर वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ भगवान राधा कृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा की गई।। तथा शाम 6 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या मे भक्त जनों ने शामिल होकर महाप्रसादी गृहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। वही रात्रि मे 8 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे श्री श्याम भजनों की सुमधुर भजनों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गईऔर इस सुमधुर भजनों का श्रवण कर श्रद्धालु भक्तजन झूम उठे।

मोहझरी में नवरात्र पर्व पर माता भ्रामरी देवी प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् देवी पुराण

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहझरी में माता भ्रामरी देवी जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जा रहा है। बताते कि संपूर्ण मध्यप्रदेश में यह पहला देवी स्थल है जो कि माता भ्रामरी देवी प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा तथा देवी स्थल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। चैत्र नवरात्रा के पावन पर्व पर उक्त धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये जा रहे है। श्रीमद देवी पुराण का भी आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ 19 मार्च को शोभा यात्रा प्रातः बेला में। दोपहर 12 बजे माता भ्रामरी देवी प्रतिमा का जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास, 20 मार्च को प्रातः 5 बजे से प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक संगीतमय देवी भागवत कथा का आयोजन। 21 मार्च को प्रातः 6 बजे से 12 बजे तक अभिषेक पूजन एवं पुराण परायण तथा दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक संगीतमय भागवत कथा। 27 मार्च को प्रातः 6 बजे से दुर्गा पाठ एवं 12 बजे से पूर्णाहूति तत्पश्चात श्रीराम जन्मोत्सव आरती एवं महाप्रसादी वितरण कार्यक्रम। संपूर्ण कथा का वाचन भागवताचार्य पंडित विश्वनाथ तिवारी जी के द्वारा तथा प्राण प्रतिष्ठा का विधि विधान से पूजन अर्चन यज्ञाचार्य पंडित आशुतोष काशीवाले के द्वारा संपन्न कराया जायेगा। उक्त आयोजन में समस्त धर्म प्रेमी गणो से उपस्थिती की अपील माँ भ्रामरी देवी आयोजन समिति एवं समस्त ग्राम वासी मोहझरी के द्वारा किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आरक्षक ट्रेनिंग में वर्चुअल फायरिंग और डिजिटल सैंड मॉडल शामिल करने की तैयारी

भोपाल

डीजीपी को भेजा प्रस्ताव

मध्यप्रदेश पुलिस आने वाले कांस्टेबल बैच 2025 को पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ाकर आधुनिक तकनीक से लैस करने की तैयारी में है। पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा ने ट्रेनिंग में चार बड़े बदलावों का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे मंजूरी के लिए डीजीपी को भेजा गया है। यदि प्रस्ताव को स्वीकृति मिल जाती है, तो नए बैच के ट्रेनी कांस्टेबलों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), वर्चुअल फायरिंग सिम्युलेटर और डिजिटल सैंड मॉडल जैसी आधुनिक तकनीकों के जरिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका उद्देश्य पुलिस जवानों को बदलते अपराध और आधुनिक तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना है। एडीजी प्रशिक्षण राजाबाबू सिंह ने वर्तमान हालातों के बाद यह माना कि साइबर अपराध, डिजिटल निगरानी और संवेदनशील कानून-व्यवस्था की स्थितियों में अब पुलिसकर्मियों को तकनीकी रूप से अधिक दक्ष बनाना आवश्यक हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए चार नए बदलावों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। हालांकि इन बदलावों में करोड़ों रुपए के खर्च का भी अनुमान है।

कंप्यूटर जागरूकता कोर्स में एआई शामिल होगा

अभी राज्य के सभी पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में ट्रेनी आरक्षकों को कंप्यूटर जागरूकता और साइबर सुरक्षा विषय पढ़ाया जाता है। इसके तहत उन्हें सायबर धोखाधड़ी और डिजिटल अपराधों से निपटने की बुनियादी जानकारी दी जाती है। नए प्रस्ताव के अनुसार इस कोर्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी शामिल किया जाएगा। इसके बाद ट्रेनी पुलिसकर्मी एआई आधारित सर्विलांस सिस्टम और फेशियल रिकग्निशन तकनीक के इस्तेमाल की ट्रेनिंग ले सकेंगे। इससे वे सीसीटीवी कैमरे और बॉडी-वॉर्न कैमरों की फुटेज का बेहतर विश्लेषण कर पाएंगे। साथ ही वीडियो, इमेज और ऑडियो विश्लेषण के माध्यम से संदिग्धों की पहचान करने में भी उन्हें मदद मिलेगी।

वर्चुअल फायरिंग सिम्युलेटर

अभी पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में ट्रेनी केवल फायरिंग ग्राउंड या फायरिंग रेंज में ही बंदूक चलाने का अभ्यास करते हैं। कई बार यह प्रशिक्षण सीमित परिस्थितियों में होता है और ट्रेनी को वास्तविक हालात का अनुभव नहीं मिल पाता। प्रस्ताव में वर्चुअल फायरिंग सिम्युलेटर लगाने की बात कही गई है। इसकी मदद से ट्रेनी को जंगल, पहाड़ी इलाके, भीड़भाड़ वाली जगहों और संवेदनशील परिस्थितियों में फायरिंग की ट्रेनिंग दी जा सकेगी। इससे उन्हें यह भी समझाया जाएगा कि हथियार का इस्तेमाल लोगों की सुरक्षा के लिए कैसे किया जाना चाहिए।

ड्रिल और आउटडोर ट्रेनिंग में एआई का उपयोग

मौजूदा व्यवस्था में ड्रिल के दौरान ट्रेनी अपनी गलतियों को खुद नहीं देख पाते। उनकी मुद्रा और मूवमेंट की गलतियां केवल ड्रिल मास्टर ही बताता है। अब प्रस्ताव के मुताबिक अगर आउटडोर ट्रेनिंग में एआई तकनीक लागू होती है, तो ट्रेनी अपनी ड्रिल की रिकॉर्डिंग देख सकेंगे और एआई सिस्टम उन्हें सही मुद्रा और मूवमेंट का सुझाव देगा। इससे वे स्वयं अपनी गलतियों को पहचानकर सुधार सकेंगे और ड्रिल की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

नेपानगरः जनजातीय सम्मेलन में पहुंचे सीएम, 363 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नेपानगर के लोगों को 363 करोड़ 82 लाख रुपए की सौगात दी। उन्होंने 127 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। विकास कार्यों की सौगातों के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी किया। वे नेहरू स्टेडियम में आयोजित वे जनजातीय सम्मेलन में भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 171.17 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण किया। जिसमें ग्राम बोरी बुजुर्ग और नावरा में सांदीपनि विद्यालय, धुलकोट में संयुक्त तहसील का निर्माण, नेपानगर में नवीन नगर पालिका कार्यालय भवन एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण, खकनार में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और आवास गृहों का लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने 121.20 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। जिसमें सातपायरी में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र, अमुल्लानाखुर्द में 6 बिस्तर का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, नावरा में 100 सीटर सांदिपनी कन्या छात्रावास आदि का भूमिपूजन किया।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष सांसद राजीव शुक्ला ने शनिवार को उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए।

जीएडी के प्रावधान का लाभ लेकर हर साल दर्जनों अफसर कार्यवाही से बच रहे

जांच में जाति प्रमाणपत्र निकले फर्जी फिर भी न नौकरी गई न वसूली हुई

शासकीय सेवा में आए आरक्षित वर्ग के कई अफसरों-कर्मचारियों के जाति प्रमाण पत्र जांच में फर्जी पाए गए हैं, लेकिन इसके बाद भी सरकार उन पर कोई कार्रवाई कर पा रही है और न ही उनसे किसी तरह की वसूली की जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग के एक प्रावधान के चलते ये सभी अधिकारी-कर्मचारी लाभ उठा रहे हैं। पिछले एक साल में ऐसे दर्जनों अधिकारी इस प्रावधान का लाभ पा चुके है।

भोपाल

सामान्य प्रशासन विभाग के वर्ष 2018 में जारी आदेश के तहत धीवर, कहार, भोई, केवट, मल्लाह, निषाद जाति के ऐसे व्यक्ति जिन्होंने मांझी अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाणपत्र के आधार पर 11 नवंबर 2005 के पूर्व शासकीय सेवाओं में नियुक्ति पा ली है तथा शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त कर लिया है उन्हें संरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया है। उन्हें जांच में प्रमापणत्र फर्जी पाए जाने पर भी नौकरी और लाभ से वंचित नहीं किया जाता है बस भविष्य में मांझी अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाणपत्र के आधार पर कोई लाभ नहीं दिए जाने और भविष्य में उनके परिजनों, उत्तराधिकारियों को भी जनजाति प्रमाणपत्र प्राप्त करने की पात्रता नहीं रहती है।

इनके जाति प्रमाणपत्र हुए अमान्य

उमेश टेटवाल,वीणा गुमगांवकर, शबाना लाजरस, राजेश गुप्ता, कलावती रैकवार, अशोक कुमार सिंह,आयुष्मान राय,विजय कुमार उइके, दीपक रायकवार, बजरंगलाल बाथम,लाल बहादुर पाल,राजकुमार इनवाती, शबाना लाजरस, डॉ राजेश गुप्ता, नरेन्द्र कुमार मांझी, जयकुमार वर्मा,अमृतलाल मीना,मालती देवी, अशोक कुमार, जानराव हेडाऊ, डॉ सुशील सोमवंशी, राजकुमारी केवट, कादम्बिनी धकाते, विमला पटेल, प्रतिभा नागपुरे,अशोक कुमार रायकवार, सुधा बैरागी, मनोज गोंड, सतेन्द्र नारायण प्रसाद, ममता मांझी, दयाशंकर मांझी, मुन्नालाल रजक, रामेश्वर पखाले।

इन्हें मिला फर्जी जाति प्रमाणपत्र पर संरक्षण

संतोष कुमार केवट, राजेश कुमार वर्मा,राजेश कुमार वर्मा, शिवनारायण रायकवार, संजीव बाथम, गौराबाई, कीर्तिबाला मांझी, रामचंद्र बाथम, संतोष कुमार रायकवार, विजय कुमार सिंह, दिनेश मांझी, मोहनलाल बाथम, मुकेश कुसमारिया, उमाशंकर बाथम, कैलाश चंद्र नायर, दसालकराम केवट, मुकेश कुसमारिया, अनुराग कोष्ठा, बबन शेन्डे, मोहर सिंह निषाद, प्रकाश बाथम, बालकृष्ण बावने, सुनील कुमार रायकवार, लता रायकवार, विधाराम बाथम,गणेशदास सोनकुसरे, रामचरण केवट, योगेश केवचट, शैलेन्द्र रायकवार, रामेश्वर बोकड़े, गणेश प्रसाद पटेल।

दर्जनों अफसरों/कर्मचारियों को मिल चुका फायदा...

केस- 1 पंचायत एवं समाज सेवा संचालनालय में वर्ष 1983 में पहली बार और दूसरी बार संचालनालय कोष एवं लेखा में नौकरी पाने वाले नरेश बाथम ने मांझी अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया था। इससे वे सालों सरकारी नौकरी करते रहे। शिकायत होने पर जाति प्रमाणपत्र की जांच की गई। छानबीन समिति के समक्ष भी मामला गया। पुलिस ने जांच में बताया कि वे बाथम जाति के है। उन्हें मांझी अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाणपत्र की पात्रता नहीं है। समिति ने भोपाल कलेक्टर द्वारा वर्ष 1984 में जारी मांझी अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाणपत्र को अमान्य कर दिया। आयुक्त जनजातीय कल्याण ने उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग के संरक्षण के प्रावधान का फायदा देने का निर्णय लिया।

केस- 2 इसी तरह कार्यपालन यंत्री के पद पर नौकरी करने वाले राजेश बाथम ने माझी आदिवासी का फर्जी जाति प्रमाणपत्र लेकर पदोन्नति प्राप्त कर ली। सतीश कुमार नरहरिया की शिकायत पर जांच कराई गई तो शिवपुरी उप पुलिस अधीक्षक अजाक ने जांच प्रतिवेदन में बताया कि राजेश बाथम ढीमर जाति के है जो अन्य पिछड़ा वर्ग में आती है। इसलिए इन्हें मांझी अनुसूचित जनजाति का प्रमाणपत्र प्राप्त करने की पात्रता नहीं बनती है। उन्हे वर्ष 83 में जारी मांझी अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाणपत्र छानबीन समिति ने अमान्य कर दिया है। उन्हें भी सामान्य प्रशासन विभाग के संरक्षण के प्रावधान का लाभ देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की गई। भविष्य में उन्हें इस तरह के जाति प्रमाणपत्र के लाभ की पात्रता नहीं रहेगी।

केस- 3 इसी तरह संतोष कुमार रायकवार ने भी फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर भारतीय जीवन बीमा निगम में नौकरी प्राप्त कर ली। उनकी भी शिकायत हुई। मामला छानबीन समिति तक पहुंचा। पुलिस अधीक्षक खंडवा से जांच कराई गई। जांच में यह पाया गया कि रायकवार मांझी अनुसूचित जनजाति में नहीं आते है। उनके द्वारा खंडवा में संदेहास्पद जाति प्रमाणपत्र अनुचित रुप से बनया गया जबकि तहसीलदार ने बताया कि उन्हे कोई जाति प्रमाणपत्र जारी ही नहीं किया गया। उन्हें भी सामान्य प्रशासन विभाग के जाति प्रमाणपत्र का लाभ ले चुकने के प्रावधान का संरक्षण देते हुए कोई कार्यवाही नहीं करने का निर्णय लिया गया।

साभार प्रदेश टूडे

भोपाल में जुटेंगे पदाधिकारी, मिलेंगे फोल्डर

कांग्रेस के 71 जिला संगठन महामंत्रियों की ट्रेनिंग कल बताए जाएंगे 'पॉवर'

भोपाल

कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री के क्या-क्या अधिकार रहेंगे, उन्हें यह सोमवार को बताया जाएगा। इसके लिए बकायदा एक दिन का ट्रैनिंग प्रोग्राम भोपाल में रखा गया है। प्रदेश भर के 71 संगठनात्मक जिलों के संगठन महामंत्रियों को उनके अधिकारों को लेकर एक फोल्डर दिया जाएगा, जिसमें उनके पॉवर और दायरा बताया जाएगा।

सोमवार को होने वाली बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के अलावा प्रदेश संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी इन्हें टिप्स देंगे। जिसमें उन्हें बताया जाएगा कि उनकी जिले में कितनी अहम भूमिका है। संगठन को मजबूत करने में वे जिला अध्यक्ष के सबसे बड़े सहयोगी के रूप में रहेंगे। जिला अध्यक्ष और जिला संगठन महामंत्री में दायित्वों को लेकर टकराव की स्थिति न बने, इसे लेकर भी इन्हें हिदायत दी जाएगी। इसके अलावा मीडिया विभाग और सोशल मीडिया विभाग भी अपना प्रजेंटेशन देगा। जिसमें जरिए उन्हें बताया जाएगा कि किस तरह से उनके कार्यक्रमों और नियुक्तियों को मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक करने में मदद लेना है।

AICC के संगठन महामंत्री की तरह जिलों में मिलेंगे अधिकार!

सूत्रों की मानी जाए तो एआईसीसी में जिस तरह से संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल, प्रदेश मे संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले के पास अधिकार हैं, वैसे ही जिलों में संगठन महामंत्रियों को अधिकार रहेंगे। वे जिला, ब्लॉक, उप ब्लॉक, मंडलम-सेक्टर मे नियुक्तियां संबंधी आदेश जारी कर सकेंगे। इसके अलावा वे केंद्रीय या प्रदेश संगठन से निर्देशित संगठन के काम-काजों को लेकर जिला पदाधिकारियों को पत्र जारी कर उन्हे बताएंगे। वही इन सभी से संगठन के काम काजों का समय-समय पर अपडेट लेना, बैठकों का आयोजन करवाना आदि जैसे काम जिला संगठन महामंत्रियों के जिम्मे होगा।

ग्वालियर। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल द्वारा एमिटी भाग इंडिया मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस मैराथन दौड़ को एलएनआईपीई ग्वालियर से पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, इस मैराथन में 10, 5 और 3 किमी की मैराथन दौड़ में विभिन्न प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कांग्रेस सेवादल ने निकाली प्रभात फेरी

राजनीतिक संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस सेवादल ने प्रदेश भर में प्रभात फेरी और ध्वज वंदन की श्रृंखला शुरू की है। इस दौरान सेवादल के लोग प्रभात फेरी के दौरान देशभक्ति के नारों और कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े संदेशों के साथ क्षेत्र में जनजागरण का वातावरण बना रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को भोपाल में भी प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के अलावा दल के कार्यकर्ता व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी हुए। प्रभात फेरी प्रदेश के सभी शहरों और कस्बों में निकाली जा रही है। सप्ताह में एक या दो दिन सेवादल के कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में प्रभात फेरी निकालना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके जरिए कार्यकर्ताओं को उनके शहर की हर बस्ती तक पहुंचाने और वहां के लोगों के संपर्क करने का भी अभियान इसके जरिए चलाया जा रहा है

वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन योजना में डेवलप होगा खजुराहो

खजुराहो के आस-पास बनेंगे आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज, केंद्र को भेजेंगे प्रस्ताव

भोपाल

विश्व धरोहर में शामिल पर्यटन स्थल खजुराहो आने वाले वर्षों में पर्यटकों को और लुभाएगा। साथ ही अलग अनुभव देगा। इसके आसपास के कुछ गांव आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज के रूप में विकसित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 200 एकड़ में ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट के अंतर्गत पर्यटन के ऐसे केंद्र बनाए जाएंगे जो नए व अलग अनुभव देंगे। यहां बड़े समूहों के होटल होंगे तो इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधाएं बहुत उन्नत स्तर की होंगी। वास्तुकला लगभग एक जैसी होगी। इसी तरह से आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज के रूप में विकसित किए जा रहे गांवों में समरूपता की दृष्टि से प्रयास किए जाएंगे। आसपास के डैम और जल प्रपातों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। यहां बुनियादी सुविधाओं-संसाधनों का विकास किया जाएगा।

लगभग 500 करोड़ खर्च होंगे

राज्य सरकार खजुराहो को विकसित करने के ये प्रस्ताव केंद्र सरकार को वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन योजना के अंतर्गत भेजने जा रही है। इसमें लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही पीपीपी मॉडल को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा, स्थानीय स्तर पर ही ट्रस्ट, प्राधिकरण या अन्य स्वरूप में एक संस्था बनेगी जो खजुराहो में पर्यटन सुविधाओं के लिए नियोजन, विकास, निगरानी और संधारण के लिए काम करेगी।

यह है योजना...

वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन (या वन स्टेट-वन ग्लोबल डेस्टिनेशन) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका लक्ष्य हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ कम से कम एक प्रमुख पर्यटन स्थल विकसित करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट के तहत, यह योजना पर्यटन अवसंरचना, कनेक्टिविटी और स्थिरता को बढ़ाकर भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने पर केंद्रित है।

सैमसन बोले, शुरुआत में अभिषेक को मिल रही तालियों से अन्य क्रिकेटरों को होती थी जलन-सैमसन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन ने अभिषेक शर्मा को लेकर मजाकिया अंदज में कहा कि जब शुरुआत में वह आया और आक्रामक बल्लेबाजी कर दर्शकों की तालियां बटोरने लगा तो अन्य खिलाड़ी ईर्ष्या करने लगे थे। सैमसन ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी बीच साझेदारी सहज और संतुलित रही। उन्होंने कहा कि हमारी जोड़ी विश्वकप में बारी-बारी से आक्रामक खेल दिखाने के हिसाब से चल रही थी हैं। सैमसन ने बताया कि उनके और अभिषेक के बीच अच्छा तालमेल है। सैमसन ने अभिषेक की बहादुरी और शांत स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें मैदान के अंदर और बाहर दोनों की दोस्ती बहुत पसंद है।

सैमसन ने कहा, पहले अन्य खिलाड़ी अभिषेक के लिए मिल रही तालियों से जलते थे. हर जगह अभिषेक, अभिषेक ही सुनाई देता था। हम सोचते थे, लोग सिर्फ उसी को देखते हैं क्या? लेकिन हां, अब वो टीम का सुपरस्टार है। उन्होंने अभिषेक को जल्द शादी की भी सलाह दी।

सैमसन और अभिषेक ने आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर 98 रन जोड़े। दोनों ने भारत को पावरप्ले में शानदार शुरुआत दिलाई। इससे भारतीय टीम ने फाइनल में 255 रन बनाए। इससे भारतीय टीम तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने में सफल रही।सैमसन ने टी20 विश्व कप में शानदार वापसी करते हुए भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। वहीं अभिषेक हालांकि दो मैचों में ही अर्धशतक लगा पाये।

टी20 विश्कप में बैंच पर ही बैठे रहे स्मिथ सहित पांच खिलाड़ी

मुम्बई। हाल में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ सहित पांच खिलाड़ियों को एक भी मैच में अवसर नहीं मिला। ये सभी बैंच पर ही ही बैठे रह गये। हालांकि इनमें से एक भी भारतीय खिलाड़ी शामिल नहीं है। भारतीय टीम ने ये टूर्नामेंट जीता जबकि न्यूजीलैंड की टीम उपविजेता रही। वहीं अन्य टीमों में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी रहे, जिन्हें टीम में तो रखा गया पर वे अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये।

स्टीव स्मिथ = ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बार अच्छा नहीं रहा और वह लीग स्तर से ही बाहर हो गयी थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में स्मिथ को शामिल किया गया था पर वह एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये। उनकी जगह पर आक्रामक बल्लेबाजों को शामिल किया गया था।

डिवोन कॉनवे = वहीं न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे भी एक भी मैच नहीं खेल पाये। कॉन्वे का टीम संयोजन के कारण एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। शीर्ष क्रम में फिन एलेन और रचिन रवींद्र के होने से कॉन्वे को अवसर नहीं मिल पाया। कीवी टीम फाइनल तक पहुंची थी पर उसे भारतीय टीम से हार के कारण खिताब नहीं मिला।

बेन डकेट = इंग्लैंड के बेन डकेट को भी एक बार भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर डकेट को एक भी मैच में खेलने का शामिल नहीं किया गया।

जॉनसन चार्ल्स = वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स को भी एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज की टीम टूर्नामेंट के सुपर-8 तक भी पहुंची थी पर उसक तीसरे मैच में भारतीय टीम के हाथों हार का सामने करना पड़ा।

बेन करन = नाम जिम्बाब्वे के बेन करन भी इस सूची में शामिली हैं। करन को टूर्नामेंट के बीच में ब्रेंडन टेलर की जगह टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें

BCCI विश्व विजेता खिलाड़ियों को करेगा सम्मानित

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आज यहां होने वाले अपने वार्षिक नमन पुरस्कार समारोह के दौरान टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम को सम्मानित करेगा।

बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि नमन पुरस्कार-2026 का मुख्य आकर्षण हाल में आईसीसी खिताब जीतने वाली सभी पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा। गौतम गंभीर की कोचिंग वाली टीम 8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने और खिताब बचाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर-19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम और 2025 अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम शामिल हैं। इस समारोह में उन अन्य भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने हाल के दिनों में आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। बीसीसीआई ने इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत पुरस्कारों की भी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की, हालांकि इनके बारे में इस सप्ताह की शुरूआत में पहले ही पता चल गया था।

इन्हें भी मिलेगा पुरस्कार: आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवरों की प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार मिलेगा। विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार दिया जाएगा। मुंबई क्रिकेट संघ को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली राज्य संघ का पुरस्कार मिलेगा। उसकी टीम ने इस सत्र में चार खिताब जीते और वह दो प्रतियोगिताओं में उपविजेता रही।

गिल और मंधाना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष) का पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा। महिला वर्ग में स्मृति मंधाना को अपने करियर में पांचवी बार सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में इरा जाधव को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर जबकि शेफाली वर्मा को सीनियर घरेलू एकदिवसीय टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

बिन्नी-द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार: पूर्व दिग्गज रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को बोर्ड के सर्वोच्च सम्मान कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को बीसीसीआई का महिला लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा। बिन्नी भारत की 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ी, अब कमेंट्री करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2026 से पहले केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की मेंटरशिप छोड़ दी है। पूर्व इंग्लिश कप्तान पीटरसन ने शनिवार को सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा- इस जिम्मेदारी के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दे पाएंगे। हालांकि, 45 साल के इस पूर्व बैटर ने दिल्ली की टीम और खिलाड़ियों को नए सीजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह आईपीएल के दौरान कॉमेंट्री बॉक्स में जरूर नजर आएंगे और भारतीय लीग का हिस्सा बने रहेंगे। पीटरसन को आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का मेंटर बनाया गया था।

पिछले सीजन में दिल्ली की टीम लीग स्टेज से बाहर हो गई थी। टीम ने 14 में से 7 मैच जीतकर 5वां स्थान हासिल किया था। लेकिन, प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी। पीटरसन बतौर प्लेयर भी दिल्ली की फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। तब टीम का नाम दिल्ली डेयरडेविल्स था। उन्होंने दिल्ली की ओर से 19 मैचों में 599 रन बनाए हैं। उनकी टीम 2012 के प्लेऑफ में पहुंची थी, लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी। 2014 में दिल्ली लीग स्टेज से बाहर हो गई। पीटरसन आईपीएल में पांच सीजन खेल चुके हैं और तीन अलग-अलग टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह कुल 17 मैचों में कप्तानी भी कर चुके हैं। 2009 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी की थी, जबकि 2014 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कमान संभाली थी। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से होगी। पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगी। दिल्ली कैपिटल्स अपना पहला मैच 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेलेगी, जबकि टीम का पहला होम मैच 4 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगा।

ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु ने एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में रजत जीता

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के सेल्वा प्रभु ने अमेरिका के फेयेटविले में चल रही एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद (ट्रिपल जंप) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रभु ने शनिवार को 17.05 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी करियर में पहली बार 17 मीटर की बाधा को पार किया।

इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेलते हुए राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड भी बनाया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के हालांकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के संबंध में सख्त दिशानिर्देश हैं, जिसके कारण अक्सर नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) सहित विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि वे एएफआई की तकनीकी और डोपिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं। एनसीएए अपना डोप परीक्षण कार्यक्रम स्वयं संचालित करता है, लेकिन उसे विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी वाडा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया छोड़ने का फैसला किया

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के गृहमंत्री टोनी बर्क ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए शरणार्थी वीजा स्वीकार करने वाली ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने अपने वतन लौटने का फैसला किया है। ईरान की महिला टीम की सात सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया के शरण लेने के प्रस्ताव को स्वीकार किया था लेकिन इनमें से अब केवल तीन सदस्य ही ऐसी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में रहने का फैसला किया है। बर्क ने एक बयान में कहा, ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने भी ईरान वापस लौटने का फैसला किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों को अपने फैसले से अवगत कराया। इसके बाद खिलाड़ियों को विकल्पों पर विचार करने के लिए कई मौके दिए गए।" मध्य पूर्व में 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने से पहले ईरान की टीम पिछले महीने महिला एशियाई कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। शुरुआत में 26 खिलाड़ियों की टीम में से छह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की एक सदस्य ने ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए मानवीय आधार पर वीजा स्वीकार कर लिया था। ईरान की टीम के बाकी सदस्य नौ मार्च को सिडनी से मलेशिया के लिए रवाना हो गए थे। इसके बाद एक अन्य सदस्य ने अपना मन बदल दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ दिया था।

सबालेंका और रायबकिना के बीच खिताबी जंग आज

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज हारे, मेदवेदेव ने 6-3, 7-6 से दी शिकस्त

कैलिफोर्निया, एजेंसी।

कैलिफोर्निया में चल रहे इंडियन वेल्स ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अल्काराज को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अल्काराज ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था। वहीं, महिला सिंगल्स में टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला एलिना रायबकिना से होगा। मेन्स सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव ने कार्लोस अल्काराज 6-3, 7-6(3) से हराया। रूसी खिलाड़ी ने पहले सेट में शुरूआती ब्रेक लेकर मैच पर नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी की कोशिश की और खेल को टाई-ब्रेकर तक खींच ले गए। हालांकि, टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज की और फाइनल का टिकट पक्का किया।

सिनर से होगा मेदवेदेव का फाइनल मुकाबला

खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव के सामने वर्ल्ड नंबर-2 जैनिक सिनर की चुनौती होगी। सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात दी। ज्वेरेव ATP मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल किया था।

सबालेंका के पास ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल की हार का बदला लेने का मौका

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के एकल महिला वर्ग के फाइनल में आज वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना के बीच कांटे की जंग होगी। सबालेंका पिछले चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह यहां दो बार उपविजेता रह चुकी हैं। सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं एलिना रायबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबाकिना ने यूक्रेन की एलिना स्विटोलिना को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। एलिना रायबकिना ने आर्यना सबालेंका को ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में हराकर पहली बार खिताब जीता था। सबालेंका के लिए यह फाइनल बेहद अहम है। साल 2026 में सबालेंका ने अब तक 13 मैच खेले हैं, जिनमें से 12 में उन्हें जीत मिली है। उनकी एकमात्र हार इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रायबकिना के खिलाफ आई थी। ऐसे में रविवार को सबालेंका के पास न सिर्फ उस हार का बदला लेने का मौका होगा,बल्कि इंडियन वेल्स में अपने 0-2 के फाइनल रिकॉर्ड (दो बार रनर-अप रहना) को सुधारने की भी चुनौती होगी।

क्रिकेटर यश दयाल शादी के बंधन में बंधे

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर विवादों में रहे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के क्रिकेटर यश दयाल शादी के बंधन में बंध गये हैं। यश की शादी में परिवार के लोग ओर करीबी रिश्तेदार ही शामिल हुए। यश ने इस शादी की खबर किसी को नहीं होने दी। यहां तक कि सोशल मिडिया में भी इसको लेकर कुछ भी पोस्ट नहीं किया। उनकी दुल्हन श्वेता पुंडीर ने हालांकि यश के साथ एक वीडियो रील पोस्ट की है। यश पर कुछ समय पहले एक महिला ने शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था हालांकि इस मामले में जनवरी 2026 में राजस्थान हाई कोर्ट ने यश को अग्रिम जमानत दे दी थी। इससे पहले निचली अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिससे उनकी गिरफ्तारी का खतरा बढ़ गया था. कानूनी विवाद में फंसे होने के बाद भी आरसीबी ने यश को आईपीएल सत्र के लिए टीम में बनाये रखा है। आईपीएल के पिछले सत्र में यश ने आरसीबी की ओर से काफी अच्छा खेला था। आईपीएल 2025 में यश ने आरसीबी की ओर से कुल 15 मैच खेले जिसमें उन्होंने 13 विकेट हासिल किए थे।. यश पहली बार आईपीएल 2023 में सुर्खियों में आए थे जब आईपीएल में उनकी गेंदों पर रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के जड़ दिये थे। उसके बाद यश अवसाद में तक चले गये थे। गुजरात टाइटंस ने तब उन्हें बाहर कर दिया था। उसके बाद आरसीबी ने यश को शामिल कर लिया। तभी से वह आरसीबी में हैं।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह बोले, कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं

बांग्लादश और पाकिस्तान बोर्ड रहे निशाने पर

मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि कोई भी देश या टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। शाह ने कहा कि कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बना सकती। सभी टीमों के साथ आने से ही संगठन बनना है, इसलिए किसी को भी वेवजह विवाद खड़े नहीं करने चाहिये। माना जा रहा है कि शाह ने ये टिप्पणी टी20 विश्वकप से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान के विवाद खड़े करने को लेकर की है। बांग्लादेश ने अपने मैच तटस्थ स्थल पर नहीं रखे जाने के कारण विश्वकप का बहिष्कार किया था। वहीं पाक ने भी आईसीसी की फटकार के बाद बहिष्कार का फैसला वापस लिया था। शाह ने कहा है कि आईसीसी सभी सदस्य टीमों के सामूहिक प्रयास से चलता है। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। कोई एक टीम मिलकर संगठन नहीं बनाती, बल्कि सभी टीमों के साथ मिलकर ही संगठन चलता है। शाह ने कहा कि विश्वकप बेहद सफल रहा। इसमें कुल व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। इसमें सभी एसोसिएट टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। अमेरिका, नीदरलैंड और नेपाल जैसे टीमों तक ने बड़ी टीमों को कड़ी टक्कर दी।

बीसीसीआई के पूर्व सचिव रहे शाह ने कहा कि विश्वकप विजेता भारतीय टीम को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक सहित आने वाले बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए अभी से मेहनत करनी चाहिये। विश्व कप से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत आने से इनकार कर दिया था। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। पाकिस्तान ने इसके बाद बांग्लादेश के समर्थन में विश्व कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। पाकिस्तान ने पहले पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की बात कही, फिर भारत के साथ ग्रुप स्टेज का मुकाबला न खेलने की बात कही पर आईसीसी के कड़े रुख के बाद उसे अपना फैसला बदलना पड़ा था। पाक टीम सुपर-8 से ही बाहर हो गयी थी।

प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर और वेस्ट हैम के बीच मैच ड्रॉ रहा

आर्सेनल ने एवर्टन को 2-0 से हराया

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लिश प्रीमियर लीग में आर्सेनल एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एवर्टन एफसी को 2-0 से हरा दिया। वहीं दूसरी ओर मैनचेस्टर सीटी एफसी को वेस्ट हैम यूनाइटेड एफ.सी. के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। लंदन में खेले गए मुकाबले में आर्सेनल को एवर्टन के मजबूत डिफेंस को तोड़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कोच मिकेल आर्टेटा की टीम ने मैच में 20 से अधिक शॉट लगाए, लेकिन लंबे समय तक गोल करने में सफल नहीं हो सकी।

मैच के आखिरी क्षणों में आर्सेनल को सफलता मिली जब विक्टर ग्योकेरेस ने 89वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल युवा खिलाड़ी मैक्स डाउमैन के शानदार क्रॉस पर आया। इसके बाद डाउमैन ने ही 97वें मिनट में दूसरा गोल कर मैच को पूरी तरह आर्सेनल के नाम कर दिया। इस जीत ने कुछ समय के लिए आर्सेनल को तालिका में 10 अंकों की बढ़त दिला दी और मैनचेस्टर सिटी पर दबाव बढ़ा दिया। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी और वेस्ट हैम के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर खत्म हुआ। सिटी के लिए बर्नार्डो सिल्वा ने 31वें मिनट में शानदार शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि वेस्ट हैम के कॉन्स्टेंटिनोस मावरोपानोस ने जोरदार हेडर के जरिए जल्दी ही बराबरी कर ली।

रहाणे की कप्तानी में ही इस बार भी उतरेगी केकेआर

मुम्बई। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) अपने कप्तान को नहीं बदलेगी। पिछली बार आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। टीम ने साल 2024 में खिताब जीता था पर पिछले साल 2025 में वह असफल रही। ऐसे में माना जा रहा था कि केकेआर इस बार कप्तान बदल सकती है क्योंकि रहाणे टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। वहीं ताजा रिपोर्ट के अनुसार फ्रेंचाइजी ने एक बार फिर रहाणे के अनुभव पर अपना भरोसा बरकरार रखा है। पिछले सत्र में टीम 13 में से केवल 5 मैचों में जीत मिली थी पर प्रबंधन का मानना है कि टीम के मौजूदा संतुलन को देखते हुए रहाणे ही नेतृत्व के लिए सबसे बेहतर रहेंगे। पिछले साल रहाणे ने केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन बनाये थे। नंबर 3 पर खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था और माना जा रहा है कि वह इस साल भी इसी नंबर तीन पर ही खेलेंगे। टीम के लिए हालांकि सलामी जोड़ी की समस्या है।

समंदर का पानी पी सकेंगे, लक्षद्वीप में बन रहा प्लांट

यह 1000 मी गहराई से पानी लाकर पीने लायक बनाएगा; 24 घंटे बिजली भी मिलेगी

कवरत्ती। चारों ओर समुद्र से घिरे द्वीपों की दो सबसे बड़ी चुनौती होती हैं- पीने का मीठा पानी और सस्ती ऊर्जा। लक्षद्वीप में इन दोनों का समाधान समुद्र ही देने वाला है। राजधानी कवरत्ती में ऐसा प्लांट तैयार हो रहा है जो समुद्र के तापमान के अंतर से बिजली पैदा करेगा और उसी प्रक्रिया में समुद्री पानी को पीने के पानी में बदलेगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) ने ऐसी क्रांतिकारी तकनीक पर काम शुरू किया है, जो इस साल के अंत तक दुनिया के लिए मिसाल बन जाएगी। यह दुनिया का पहला ऐसा हाइब्रिड प्लांट होगा जो समंदर की लहरों से शुद्ध पानी और चौबीसों घंटे बिजली भी पैदा करेगा। नया प्लांट ओशन थर्मल एनर्जी कन्वर्जन (ओटीईसी) तकनीक पर आधारित है। इसमें समुद्र की सतह का गर्म पानी व गहरे समुद्र का ठंडा पानी इस्तेमाल होगा। गर्म पानी को वैक्यूम में डालकर भाप बनाई जाएगी, यह भाप टरबाइन घुमाकर बिजली पैदा करेगी। फिर गहरे समुद्र से लाए गए ठंडे पानी से भाप को ठंडा करके मीठा पानी तैयार किया जाएगा। नया प्लांट रोजाना 1 लाख लीटर मीठा पानी बनाएगा और जरूरत की बिजली खुद पैदा करेगा। इसे चलाने के लिए डीजल या बिजली की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अभी हो रहा लो टेम्परेचर थर्मल डीसैलिनेशन तकनीक का इस्तेमाल

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस प्रोजेक्ट को भविष्य की 'ऊर्जा सुरक्षा' का आधार बताया है। लक्षद्वीप के 8 द्वीपों पर पहले से ही लो टेम्परेचर थर्मल डीसैलिनेशन तकनीक से पानी बनाया जा रहा है। इन

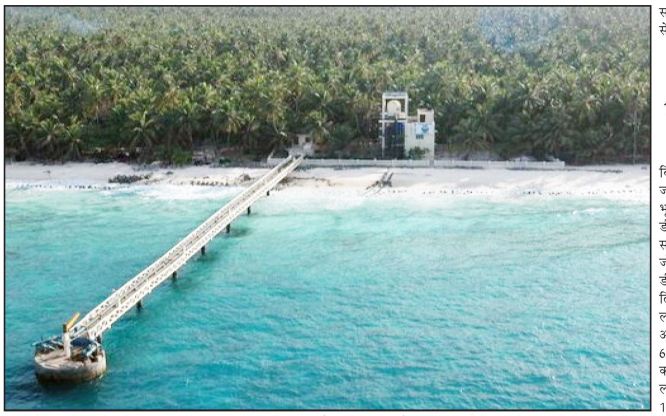

प्लांट में समुद्री पानी को भाप बनाकर फिर ठंडा करके मीठा पानी तैयार किया जाता है। हालांकि इन्हें चलाने के लिए डीजल जनरेटर से बिजली देनी पड़ती थी।

नए प्लांट की वर्किंग क्या होगी

कवरत्ती में बन रहे इनोवेटिव प्लांट का सबसे रोमांचक और जटिल हिस्सा है- गहरे समुद्र से ठंडा पानी लाना। इसके लिए वैज्ञानिकों की टीम करीब 3.8 किमी लंबी विशाल पाइपलाइन बिछा रही है। 900 मिमी व्यास वाली यह 'हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन' पाइपलाइन समुद्र के सीने को चीरकर 1000 मीटर नीचे से बर्फीला पानी ऊपर लाएगी। कवरत्ती के लैगून क्षेत्र में इसे वेल्डिंग कर समुद्र में लगाने का काम तेजी से चल रहा है।

पूरे लक्षद्वीप को रोजाना सिर्फ 10-12 मेगावाट बिजली की जरूरत

वर्तमान में लक्षद्वीप बिजली के लिए डीजल जनरेटरों पर निर्भर है। मुख्य भूमि से जहाजों के जरिए डीजल लाना महंगा होने के साथ समुद्री पर्यावरण के लिए जोखिम भरा भी है। सामान्य डीसैलिनेशन प्लांट चलाने के लिए 55 मेगावाट बिजली लगती है, जो अभी डीजल से आती है। नया प्लांट रोजाना 65 मेगावाट बिजली खुद पैदा करेगा। दिलचस्प यह है कि पूरे लक्षद्वीप की दैनिक मांग सिर्फ 10-12 मेगावाट है। यानी यह प्लांट अपनी जरूरत पूरी करने के साथ अन्य द्वीपों को अतिरिक्त स्वच्छ ऊर्जा भी देगा।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्र सरकार को दिया सुझाव

नेपाल और बांग्लादेश से संबंध सुधारे भारत

पानीपत। हरियाणा में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के आखिरी दिन रविवार को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और नेपाल में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नई सरकारें बनी हैं। दोनों देशों में शांति-स्थिरता और उनका भारत के साथ अच्छा संबंध पूरे एशिया के विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी चिंता जताई।

पानीपत में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर होसबाले ने कहा कि आरएसएस के कार्यकर्ता ही देशभक्त हैं, ऐसा संघ का कहना बिल्कुल भी नहीं है। संघ ने अपने तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में आखिरी दिन कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव और सुझाव रखे। इनमें पड़ोसी देश नेपाल और बांग्लादेश से संबंध सुधारने का सुझाव भी शामिल रहा। उन्होंने बताया कि पानीपत की सभा के दौरान आरएसएस के शताब्दी वर्ष (2025-26) की वार्षिक रिपोर्ट पेश की गई। यहां केरल और तमिलनाडु समेत दक्षिण के राज्यों और पूर्वोत्तर में संघ की गतिविधियों और सामने आई चुनौतियों का जिक्र किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि एक वर्ष में देश में संघ की 88,949 शाखाएं लगाई गईं। जो पिछले साल से 5,820 ज्यादा हैं।

ईरान युद्ध पर भारत का स्टैंड सही

होसबाले ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच ईरान को लेकर भारत के स्टैंड पर कहा कि भारत हित में सरकार सही कर रही है, ऐसा विश्वास है कि सरकार का स्टैंड सही है। उन्होंने कहा कि संघ पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों पर जोर देता है। बांग्लादेश और नेपाल में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नई सरकारें बनी हैं। दोनों देशों में शांति-स्थिरता और उनका भारत के साथ अच्छा संबंध पूरे एशिया के विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी चिंता जताई। होसबाले ने कहा- भारतीयता क्या है, हिंदुत्व क्या है, इसकी एक स्पष्ट अवधारणा होनी चाहिए। यह केवल एक मानसिकता नहीं बल्कि एक जीवनशैली है।

बीजेपी तमिलनाडु में चुनाव से पहले टीवीके को एनडीए गठबंधन में चाहती है जोड़ना

नई दिल्ली। तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि अभिनेता विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क कर रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है। साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद सीएम बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल कर सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 फीसदी वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है। विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

जी1 ने उद्घाटन, ध्वजारोहण और शुभारंभ जैसे समारोहों का दौर पूरा कर लिया होगा

पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों के ऐलान को लेकर कांग्रेस ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग रविवार शाम को 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव का पूरा कार्यक्रम घोषित करने वाला है। शेड्यूल घोषित होते ही चुनाव प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। कार्यक्रम के ऐलान के साथ ही आचार संहिता भी लागू हो जाएगी। इस बीच कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी के अभियान में आरोप-प्रत्यारोप और तीखी राजनीतिक बयानबाजी देखने को मिलेगी। कांग्रेस का कहना है कि चुनाव प्रचार में गलत जानकारी और डर का माहौल बनाने की कोशिश की जाती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग रविवार शाम विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित करेगा। जी2 की ओर से इसे मंजूरी मिल चुकी होगी, क्योंकि जी1 ने उद्घाटन, रिबन काटने, ध्वजारोहण और शुभारंभ जैसे समारोहों का यह दौर पूरा कर लिया होगा। चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता जल्द ही लागू होने वाली है, लेकिन 2014 से इसे मोदी की चुनावी आचार संहिता का पर्याय माना जाता रहा है- जो मानहानि, गाली-गलौज, धमकियों, भय फैलाने और झूठ का वायरस फैलाने से भरी होगी।

वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। हम इसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। दरअसल, इसकी घोषणा बहुत पहले ही हो जानी चाहिए थी। मैं चुनाव आयोग से कहना चाहूंगा कि आपके बारे में पहले से ही बहुत संदेह हैं, लेकिन कम से कम इतनी बेशर्मी से घोषणा न करें। पीएम मोदी लगातार घोषणाएं करते रहते हैं और फिर अचानक आपको तारीखों की घोषणा करने का ख्याल आता है। आचार संहिता लागू होने के बाद सरकार और राजनीतिक दलों को चुनाव से जुड़े नियमों का पालन करना होगा और नई योजनाओं या बड़े सरकारी फैसलों की घोषणा पर रोक लग जाती है।

चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम में मतदान की तारीख, नामांकन की अंतिम तिथि, मतगणना की तारीख और अन्य अहम जानकारी दी जाएंगी। इसके बाद सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने चुनाव अभियान को तेज कर देंगे। अब सबकी नजर चुनाव आयोग की घोषणा पर टिकी है, जिसके बाद राज्यों में चुनावी माहौल और तेज होने की संभावना है।

दिल्ली के नेयर बाजार में लगी भीषण आग, 50 दुकानें जलकर राख

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मशहूर नेचर बाजार में रविवार सुबह आग लगने से भारी तबाही हुई। इस भीषण आग में हस्तशिल्प और कलाकृतियों की करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक आग लगने की सूचना सुबह 7:37 बजे मिली। चूंकि बाजार में ज्यादातर अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानें थीं, जिनमें लकड़ी, कपड़े और हस्तशिल्प का सामान भरा था, इसलिए आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते पूरे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। दमकल विभाग ने तुरंत 10 गाड़ियां मौके पर भेजीं।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया कि आग लाडो सराय क्षेत्र में अंधेरिया मोड़ के पास स्थित नेचर बाजार में लगी जहां हस्तशिल्प और अन्य सामान बेचने वाली कई अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानें लगी। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने और उसे फैलने से रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया। इस घटना में लगभग 50 दुकानें जलकर नष्ट हो गईं। दमकलकर्मी आग को पूरी तरह बुझाने और इलाके में शीतलन अभियान चलाया। खबर लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे ।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने किया विश्लेषण-युद्ध क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है

नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरुआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है।

उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानों, सैन्य अड्डों, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई।

चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

मणिशंकर अय्यर का पीएम मोदी पर हमला, पूछा— वडनगर में प्लेटफॉर्म नहीं था तो चाय कहाँ बेची ?

राम मंदिर, तीन तलाक और 'लव जिहाद' जैसे मुद्दों को भी उठाया

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने राम मंदिर, तीन तलाक और 'लव जिहाद' जैसे मुद्दों पर सरकार की आलोचना की और कई सवाल उठाए।

अय्यर ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान देश के शंकराचार्यों की उपेक्षा की गई और प्रधानमंत्री ने खुद मंदिर का उद्घाटन किया, जो उनके अनुसार धर्मनिरपेक्षता की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री का कोई निजी धर्म नहीं होना चाहिए और उन्हें सभी धर्मों से समान दूरी बनाए रखनी चाहिए।

तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं पर टिप्पणी

तीन तलाक के मुद्दे पर अय्यर ने कहा कि भाजपा इस विषय को लेकर भ्रामक दावे कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि इस्लाम में चार पत्नियां रखने की अनुमति तभी है जब सभी के साथ समान व्यवहार किया जा सके, जो व्यवहारिक रूप से बहुत कठिन है। उन्होंने एक पुरानी जांच समिति का हवाला देते हुए दावा किया कि हिंदू और सिख समुदायों में एक से अधिक विवाह के उदाहरण मुसलमानों की तुलना में अधिक पाए गए थे।

'लव जिहाद' शब्द पर आपत्ति

अय्यर ने 'लव जिहाद' शब्द को भी खारिज करते हुए कहा कि प्यार में जिहाद या बदले की भावना नहीं हो सकती। उनके अनुसार यह शब्द राजनीतिक रूप से गढ़ा गया है और इसका इस्तेमाल समाज में विभाजन पैदा करने के लिए किया जाता है।

'चाय बेचने' के दावे पर सवाल

प्रधानमंत्री मोदी के 'चाय बेचने वाले' अतीत पर सवाल उठाते हुए अय्यर ने कहा कि मोदी के गृहनगर वडनगर में 1973 तक रेलवे प्लेटफॉर्म ही नहीं था। ऐसे में उन्होंने पूछा कि अगर प्लेटफॉर्म नहीं था तो चाय कहाँ बेची गई। अय्यर ने आरोप लगाया कि ऐसे दावों और राजनीतिक कथाओं के जरिए लोगों को प्रभावित कर सत्ता हासिल की गई। साथ ही उन्होंने कहा कि देश में मुसलमानों के खिलाफ फैलाई जा रही बातों से समाज में सांप्रदायिक माहौल पैदा हुआ है।

असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की दूसरी सूची की जारी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 23 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची शनिवार को जारी कर दी, जबकि पूर्वोत्तर राज्य में अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए 15 सीटें छोड़ी हैं, असम में विधानसभा चुनाव अप्रैल में होने हैं। इस घोषणा के साथ कांग्रेस ने अब तक 126-सदस्यीय असम विधानसभा के लिए 65 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा जारी सूची के मुताबिक नूरुल इस्लाम श्रीजंग्राम से, अब्दुल खालेक मांडिया से, रकीबुद्दीन अहमद चमारिया से, डेविड फुकन तिनसुकिया से और बिपुल गोगोई तिनखोंग से चुनाव लड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने 3 मार्च को असम विधानसभा चुनावों के लिए 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट सीट से मैदान में उतारा था। चुनावों की घोषणा से पहले ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने में बढ़त बनाते हुए, कांग्रेस ने कहा कि असम में कांग्रेस विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया नाज़िरा सीट से चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा को बरछल्ला सीट से मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही टिकट वितरण में बहुत बनाकर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश की है। पार्टी के कई बड़े चेहरे मैदान में उतर चुके हैं जिनमें गौरव गोगोई जोरहाट सीट से ताल ठोक रहे हैं। देबब्रत सैकिया अपनी परंपरागत नाज़िरा सीट से चुनाव लड़ेंगे। रिपुन बोरा बरछल्ला सीट से मैदान में उतरे गए हैं। असम में बीजेपी विरोधी मतों के बिखराव को रोकने के लिए कांग्रेस ने महागठबंधन मॉडल को प्राथमिकता दी है। 15 सीटें सहयोगियों के लिए छोड़कर पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह क्षेत्रीय दलों को उचित सम्मान देने के पक्ष में है। अप्रैल में होने वाले इन चुनावों में यह गठबंधन सत्ता विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करेगा।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज, शिवानंद तिवारी के बयान से सियासत गरम

पटना। बिहार की राजनीति इन दिनों नए मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की प्रक्रिया में आने के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं कि उनके बाद बिहार की कमान किसके हाथ में होगी। इस बीच वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी के एक बयान ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

दरअसल, शिवानंद तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो सकता है। तिवारी के मुताबिक भाजपा में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह सम्राट चौधरी हैं। तिवारी ने पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा ने पहले की तुलना में संगठन और सरकार में सम्राट चौधरी की भूमिका को काफी मजबूत किया है। फिलहाल वे बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि पार्टी के भीतर उनकी पकड़ मजबूत है और केंद्रीय नेतृत्व का भी उन पर भरोसा दिखाई देता है। हाल ही में उन्हें दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और बल दिया है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार की राजनीति के सामाजिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक रास्ते अलग हुए तो नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने मिलकर समता पार्टी बनाई थी। उस समय यादव-मुस्लिम समीकरण के मुकाबले एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की जरूरत थी। इसी दौर में 'लव-कुश' यानी कुर्मी और कुशवाहा समुदाय का राजनीतिक समीकरण सामने आया, जो आगे चलकर नीतीश कुमार की राजनीति का मजबूत आधार बना।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान भी कुछ राजनीतिक संकेत देखने को मिले हैं। कई कार्यक्रमों में सम्राट चौधरी उनके साथ प्रमुख रूप से नजर आए। पूर्णिया के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार द्वारा सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आगे बढ़ाने की घटना को भी राजनीतिक विश्लेषक प्रतीकात्मक संकेत के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते हैं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के भीतर नई सत्ता व्यवस्था बन सकती है और मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में जा सकता है। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं, जैसे नित्यानंद राय का नाम भी समय-समय पर चर्चा में आता रहा है, लेकिन फिलहाल सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव और आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर सबकी नजर टिकी हुई है। अंततः यह तय है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की शुरुआत होगी।

बालाघाट
सोमवार 16 मार्च 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पहले किराये पर ली दुकान, फिर बिल्डिंग पर ही कब्जा का किया प्रयास

ब्याज के पैसों के नाम पर अवैध वसूली, ट्रेवलर्स एजेंसी संचालक सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

पहले दुकान किराए पर लेने, फिर बिल्डिंग पर ही कब्जा जमाने का प्रयास करने, और ब्याज के पैसों के नाम पर अवैध वसूली करने का नगर में एक मामला सामने आया है।जिसपर पर एक्शन लेते हुए कोतवाली पुलिस ने इस मामले में लिप्त एक ट्रैवलर्स एजेंसी संचालक सहित 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आरोप है कि ट्रैवलर्स एजेंसी संचालक द्वारा ब्याज के नाम पर लोगों से जबरन अधिक पैसों की वसूली की जाती थी,वही उसका घर ,प्रॉपर्टी आदि हड़पने का प्रयास किया जा रहा था। वही जान से मारने की धमकियां दी जा रही थी। उक्त मामले की शिकायत मिलने पर कोतवाली पुलिस ने यह एक्शन लिया है।जहा मकान मालिक से 50 लाख रुपये की जबरन वसूली करने और संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव बनाने की शिकायत मिलने पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एक आरोपी मॉम्स किचन संचालक धीरज जोतवानी से मामले को लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तो वही किराएदार दूसरे आरोपी अंजली ट्रेवल्स संचालक राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा का रविवार को जुलूस निकाला, तो वही अन्य पीड़ितों से मिली शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किसी ने लगाया 50 लाख रूपये की जबरन वसूली का आरोप तो किसी ने मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए दबाव की कही बात नहीं मानने पर दी जान से मारने की धमकी,पीड़ितों ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत पुलिस ने आरोपी का निकाला जुलूस,नए पीड़ित भी आए सामने

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 21 गोंदिया रोड निवासी रमन गौतम ने 14 मार्च को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि उनके मकान स्थित गौतम कॉम्प्लेक्स में संचालित दो दुकानों के किरायेदार राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा (संचालक अंजली ट्रेवल्स) और धीरज जोतवानी (मॉम्स किचन) द्वारा मिलकर मकान और दुकानों की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव बनाया जा रहा था।शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने रजिस्ट्री नहीं करने की स्थिति में उनसे 50 लाख रुपये की अवैध मांग की और रुपये नहीं देने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी।मामले की जांच के बाद प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर थाना कोतवाली बालाघाट में आरोपियों के विरुद्ध धारा 308(2), 351(3) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मकान जर्जर, तोड़ने के आदेश, पर किराएदार खाली नही कर रहे कब्जा

बताया गया कि मेनरोड में राजा कुकरेजा अंजली ट्रेव्हलर्स और धीरज जोतवानी मॉम्स किचन का संचालन करते है। जो रमन गौतम के आधिपत्य के मकान की दुकानें है, मकान सालों पुराना हो चुका, यह मकान जर्जर हो गया है, जिसे रमन गौतम तोड़ना चाहते थे।वही उन्हें मकान तोड़ने का नोटिस भी मिल चुका है। जिसके चलते उक्त दोनो दुकानदारों को उन्होंने दुकान खाली करने कहा लेकिन दोनो ही, रमन गौतम से दुकान खाली करने के ऐवज में लाखो रूपए या फिर मकान और दुकान की रजिस्ट्री के लिए दबाव बना रहे थे।रमन गौतम ने बताया कि दुकान खाली करने के ऐवज में धीरज जोतवानी 50 लाख और राजा कुकरेजा 42 लाख रूपए मांग रहे थे। जिसकी शिकायत उन्होंने कोतवाली में की थी।

पुलिस जांच में खुले राज

बताया गया कि उक्त शिकायत पर पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा बालाघाट में अंजली ट्रेवल्स के नाम से ट्रेवल एजेंसी संचालित करता है। उसके खिलाफ लोगों को ऊंचे ब्याज पर पैसा देकर कोरे स्टाम्प और चेक पर हस्ताक्षर करवाने, बाद में उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर जमीन-मकान हड़पने, ब्लैकमेल करने और विवाद खड़ा करने जैसी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप भी सामने आए हैं।

कुकरेजा पर पहले से दर्ज है कई अपराध, 12 से अधिक नई शिकायते

उधर पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुख्य आरोपी अंजली ट्रेवल्स संचालक राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा के विरुद्ध धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, दस्तावेजों में कूट रचना, मारपीट और बलात्कार जैसे गंभीर मामलों सहित अन्य अपराध पहले से दर्ज हैं, जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान उसके खिलाफ 12 से अधिक शिकायतें विभिन्न पुलिस कार्यालयों में प्राप्त हो चुकी हैं।

ब्याज सहित पैसा लौटाने के बाद भी भेज रहा कोर्ट का नोटिस-स्वाति

इस मामले में ग्राम तुमाड़ी वारासिवनी निवासी पीडिता स्वाती गौतम ने आरोप लगाया कि वर्ष 2021 में उन्होंने राजा कुकरेजा से ब्याज पर कुछ रकम ली थी, जिसे बाद में उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से चुका दिया था और उसका पूरा रिकॉर्ड भी उनके पास मौजूद है। इसके बावजूद वर्ष 2025 में आरोपी ने उनके खिलाफ कोर्ट से नोटिस जारी करवा दिया और रकम बकाया होने का दावा किया।स्वाती ने बताया कि आरोपी के पास उनका चेक और स्टाम्प भी है, जिसे लौटाने के बजाय वह लगातार टालमटोल कर रहा है।वही उसकी नियत भी ठीक नही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रही हैं।

दुकान सहित मकान भी हथियाना चाहे रहे है किराएदार -रमन

पीड़ित रमन गौतम बताया कि दोनो आरोपी नियमित रूप से किराया जमा कर रहे थे, लेकिन इसके बावजूद दुकान खाली नहीं कर रहे थे। उल्टे वे लगातार संपत्ति की रजिस्ट्री अपने नाम कराने के लिए दबाव बना रहे थे और धमकियां दे रहे थे। इसी से परेशान होकर उन्होंने प्रशासन का सहारा लेते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आगे बताया कि उनकी बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है मकान तोड़ने के लिए कई बार नोटिस आ चुके हैं। लेकिन दोनों किराएदार अपना कब्जा खाली नहीं कर रहे हैं बल्कि लगातार उन पर रजिस्ट्री करने का दबाव बनाया जा रहा है धमकियां दी जा रही है जिससे परेशान होकर उन्होंने उनकी शिकायत की थी जिस पर यह कार्रवाई हुई है। केवल हम ही नहीं बल्कि ऐसे कई लोग हैं जिनके साथ उन्होंने ऐसे ही धोखाधड़ी की है, कई लोगों को ब्याज के पैसे के नाम पर आधिक व अवैध पैसों की वसूली की है। कई शिकायतकर्ता अब सामने भी आ रहे हैं।

मामले की जांच जारी है-धूमकेती

कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर दो व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा के विरुद्ध पूर्व में भी बलात्कार, धोखाधड़ी सहित कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। फिलहाल पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध रेत परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 15 मार्च 2026 को आकस्मिक भ्रमण एवं जांच के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 15 मार्च को तहसील वारासिवनी अंतर्गत ग्राम जागपुर में वैनगंगा नदी से बिना वैधानिक अनुमति के खनिज रेत भरते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली सहित पकड़ा गया। मौके पर चालक शोभेलाल पिता बृजलाल ठाकरे, निवासी दीनी द्वारा रेत भरते पाया गया। इसी दौरान बालाघाट बस स्टैंड के पास एक अन्य ट्रैक्टर ट्रॉली सहित खनिज रेत का परिवहन करते पाया गया। मौके पर चालक जयदीप पिता फूलचंद लिल्हारे, निवासी भटेरा से रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज एवं रॉयल्टी पर्ची मांगी गई, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

दोनों मामलों में वैध दस्तावेज एवं रॉयल्टी पर्ची न होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली को विधि अनुसार जप्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है।प्रकरण में मध्यप्रदेश (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेंशपन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

PADMESH FIBERNET Connecting the Unconnected..
Unlimited Data for
Unlimited Streaming
For Information Call us at:
08045777666
Visit Our Website:
www.padmeshdigital.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट